वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 112 | गुरुवार 15 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

15 AUGUST स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का देश के नाम संबोधन, कहा...

विश्व में भारत का कद हुआ ऊंचा

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस 2024 की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम अपना संबोधन शुरू किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सभी देशवासी 78वें स्वतन्त्रता दिवस का उत्सव मनाने की तैयारी कर रहे हैं, यह देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर लहराते हुए तिरंगे को देखना - चाहे वह लाल किले पर हो, राज्यों की राजधानियों में हो या हमारे आस-पास हो - हमारे हृदय को उत्साह से भर देता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि जिस तरह हम अपने परिवार के साथ विभिन्न त्योहार मनाते हैं, उसी तरह हम अपने स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस को भी अपने उस परिवार के साथ मनाते हैं जिसके सदस्य हमारे सभी देशवासी हैं।राष्ट्रपति ने कहा कि हम उस परंपरा का हिस्सा हैं जो स्वाधीनता सेनानियों के सपनों और उन भावी पीढ़ियों की आकांक्षाओं को एक कड़ी में पिरोती है जो आने वाले वर्षों में हमारे राष्ट्र को अपना सम्पूर्ण गौरव पुनः प्राप्त करते हुए देखेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हमने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना शुरू किया है। अगले वर्ष उनकी 150वीं जयंती का उत्सव राष्ट्रीय पुनर्जागरण में उनके योगदान को और अधिक गहराई से सम्मान देने का अवसर होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि आज, 14 अगस्त को, हमारा देश विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मना रहा है। यह विभाजन की भयावहता को याद करने का दिन है। जब हमारे महान राष्ट्र का विभाजन हुआ, तब लाखों लोगों को मजबूरन पलायन करना पड़ा। लाखों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। स्वतंत्रता दिवस मनाने से एक दिन पहले, हम उस अभूतपूर्व मानवीय त्रासदी को याद करते हैं और उन परिवारों के साथ एक-जुट होकर खड़े होते हैं जो छिन्न-भिन्न कर दिए गए थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हम अपने संविधान की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। हमारे नव-स्वाधीन राष्ट्र की यात्रा में गंभीर बाधाएं आई हैं। न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुता के संवैधानिक आदर्शों पर दृढ़ रहते हुए, हम इस अभियान के साथ आगे बढ़ रहे हैं कि भारत, विश्व-पटल पर अपना गौरवशाली स्थान पुनः प्राप्त करे। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि वर्ष 2021 से वर्ष 2024 के बीच 8 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर हासिल करके, भारत सबसे तेज गति से बढ़ने वाली बड़ी अर्थ-व्यवस्थाओं में शामिल है। इससे न केवल देशवासियों के हाथों में अधिक पैसा आया है, बल्कि गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में भी भारी कमी आई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। शर्मा ने कहा कि आजादी का यह पर्व हमें न केवल स्वतंत्रता सेनानियों के शौर्य व बलिदान की याद दिलाता है बल्कि यह हमें राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्यबोध का भी अहसास कराता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और संघर्ष के बल पर ही आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं। हम सभी का कर्तव्य है कि जिस देश की आजादी के लिए हमारे जवानों ने प्राण न्यौछावर कर दिए उस राष्ट्र की अखण्डता व उन्नति में हम अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं, यही हमारी अमर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी।

सूचना

शाबाश इंडिया (दैनिक ई-पेपर) कार्यालय में 15 अगस्त पर अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 17 अगस्त को प्रकाशित होगा। -सम्पादक

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर घर-घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

नौगामा जिला बांसवाड़ा। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आज 14 अगस्त को महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा एकलव्य मॉडल स्कूल बागीदौरा में घर-घर तिरंगा हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद सनोदियां, महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा के अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी, महावीर इंटरनेशनल शाखा बागीदौरा के अध्यक्ष दिलीप दोसी, राजेंद्र पटेल बासला नौगामा शाखा सचिव कैलाश पंचोली बागीदोरा शाखा के वीर सदस्य बसंतकांत शर्मा, दिनेश चरपोटा, विद्यालय के स्टॉप साथी जय राम मीणा कल्पना मीणा के सानिध्य में विद्यालय के छात्रों को हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा वितरण किया गया इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों द्वारा देशभक्ति गीतों पर नृत्य ज्ञान किया इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति राष्ट्रीय पर्व 26 जनवरी एवं 15 अगस्त पर देश के उन शहीद वीरों को नमन करने हेतु देशभक्ति की भावना ओतप्रोत करने हेतु महावीर इंटरनेशनल द्वारा आसपास के विद्यालय में इस प्रकार के कार्यक्रम किया जा रहे हैं और आज एकलव्य मॉडल स्कूल में इस कार्यक्रम को किया गया इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल की ओर से विद्यालय के स्टाफ साथियों एवं अतिथियों को दुपट्टा ओढ़ाकर कर तिरंगा झंडा भेटकर सम्मान किया गया इस अवसर पर विद्यालय की प्रनाध्यापक ने बड़ी प्रसन्नता जाहिर की हमारे विद्यालय में महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा की ओर से घर-घर तिरंगा हर घर तिरंगा का आयोजन किया एवं हमारे विद्यालय के छात्रों को देशभक्ति की भावना से का संदेश दिया हमारी ओर से महावीर इंटरनेशनल शाखा को बहुत-बहुत शुभकामना में एवं बधाई एवं आगामी समयो हमारे विद्यालय में इस प्रकार के कार्यक्रम हो तो हमें बड़ी खुशी होगी इस अवसर पर विद्यालय के स्टाफ साथी विक्रम सिंह विवेक मीणा बीना मीणा कर्मवीर मीणा मानसिह लविश जी मीणा छगन लाल ने अपना सहयोग प्रदान किया कार्यक्रम का संचालन शाखा के वीर सदस्य दिनेश चारपोटा किया गया।

जीवन में आसक्ति, अधिकार के भाव मत रखो: युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में धर्मसभा का आयोजन

चैन्नेई. शाबाश इंडिया एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुमार्सार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि.जी महाराज ने बुधवार आनन्द दरबार में श्रध्दालुओं को धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि इस संसार में एक प्राणी है जिसे प्रकाश अच्छा नहीं लगता, वह है उल्लू। कहा जाता है उल्लू को प्रकाश में दिखाई नहीं देता। वह अंधेरे में ही देख सकता है। जिन्हें व्यवहार, अध्यात्म के क्षेत्र में ज्ञानी कहा जाता है, उन्हें पसंद है प्रकाश। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि जो अज्ञानी है, वे अंधेरे में ही सुख मानते हैं। अंधेरे में हमारे अंदर कई कमजोरियां बढ़ने लगती है। हमारे लिए जैन आहार, जिसे आप जैन फूड कहते हैं, वह जमीकंद के बिना होता है। जो कंद जमीन के अन्दर उगते हैं, फलते हैं, उन कंदों को सूर्य का प्रकाश न मिलने से अनंत जीव उनमें पैदा हो जाते हैं। इसी तरह हमारे भीतर में रहे हुए अंधकार रुपी अज्ञान का अनुभव किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह संसार मिथ्यात्व से भरा है। कई बार व्यक्ति ज्यादा ज्ञानी बनने के चक्कर में उलझ जाता हैं। अलग-अलग ज्ञान, दर्शन, चारित्र को देखकर हम ऊपर- नीचे हो जाते हैं। ज्ञान में ऐसे प्रवेश करना चाहिए कि वहां से बाहर भी आ सकें। भगवान महावीर ने कहा था कि स्त्री कोई भोग की वस्तु नहीं है। उसका स्वयं का व्यक्तित्व है। जीवन में आसक्ति, अधिकार के भाव मत रखो। अधिकार की भावना ही जन्म- मरण के चक्र से छुटकारा नहीं देती। उन्होंने कहा सुबह-शाम प्रतिक्रमण करना आवश्यक कहा गया है। सत्य को समझने के लिए भ्रम दूर करना जरूरी है। महासती अणिमाश्री जी ने कहा कि धर्म की तीन सौगातें बताई गई है सद्भाव, समभाव और श्रद्धा। सभी जीवों के प्रति सद्भाव की भावना होनी चाहिए। आत्मा सद्भाव से विभाव में जाती है तब कर्मबंध होते हैं। उन्होंने कहा धर्म पर श्रद्धा तीन प्रकार की होती है अज्ञान मूलक, मोह मूलक व ज्ञान मूलक। हमें ज्ञान मूलक से जुड़ना चाहिए। इस दौरान मुनि हितेंद्र ऋषिजी ने बताया कि गुरुवार को प्रवचन प्रातः 9.15 से 10.30 बजे होंगे। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मध्याह्न 2.30 से 4.30 बजे फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इस मौके पर तेनामपेट की सीमा तातेड़ ने 13 उपवास के साथ अनेक बहन - भाईयो ने 8,7,6,5,4,3 उपवास के युवाचार्य प्रवर से प्रत्याख्यान लिए । सिंधनूर से गौतमचंद बंब और बैंगलुरू से सुरेश-संगीता छल्लाणी समेत कई श्रद्धालु युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। बुधवार को नवकार मंत्र जप के लाभार्थी अनराज गौतमचंद निखिल चौरड़िया परिवार थे।

-प्रवक्ता सुनिल चपलोत

"राजकीय प्रज्ञा चक्षु विद्यालय उ.मा.अंध विद्यालय" के बालकों को ब्रेलशीट्स एवं हॉस्पिटल में फल व बिस्किट वितरण

उदयपुर. शाबाश इंडिया। संगिनी उदयपुर मैन द्वारा सेवा पखवाड़े के तहत "प्रज्ञा चक्षु अंध विद्यालय अंबामाता" के बालकों की पढ़ाई में सहयोग करने तु उनकी आवश्यकतानुसार ब्रेल शीट्स प्रदान की गई व बच्चों में पतंजलि के बिस्किट भी वितरित किए गए। उपस्थित सदस्यों ने बड़ी उत्सुकता से यह भी जाना कि ब्रेल लिपि क्या होती है? बच्चे ब्रेलशीट पर कैसे लिखते है? व कैसे पढ़ते हैं? संगिनी मैन की अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने बताया कि आज ही दूसरा सेवा कार्य "सेटेलाइट हास्पिटल अम्बामाता" में किया गया वहाँ वार्ड में भर्ती सभी रोगियों को बिस्किट्स व फल वितरित किए व जनाना वार्ड मे भर्ती महिलाओं को बिस्किट व फल के साथ- साथ पोष्टिकता से भरपूर सुखे नारियल के गोले भी वितरित किए गए। ग्रुप अध्यक्ष डॉक्टर प्रमिला जैन ने बताया कि कार्यक्रम में उर्मिला जैन, कमला नलवाया,डॉ शिखा लोढ़ा,निरुपमा पूनमिया,लाजवंती धाकड़, चंद्रकांता मेहता,शीला सरूप्रिया आदि सदस्यों ने अपनी सेवाएं दी।

15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशेष

राष्ट्रध्वज हमारे यश, मान, स्वतंत्रता और आदर्श का चिह्न है: मुनि श्री अक्षयसागर जी

उन्हें याद करें, जो घर नहीं लौटे। स्वतंत्रता की अक्षुण्णता बनाए रखने के लिए आज संकल्पित हों, शहीद गौरव सम्मान समारोह आज

मड़ावरा. शाबाश इंडिया

सदियों की गुलामी के पश्चात 15 अगस्त सन 1947 के दिन भारत देश आजाद हुआ था। पहले हम अंग्रेजों के गुलाम थे। उनके बढ़ते हुए अत्याचारों से सारे भारतवासी त्रस्त हो गए और तब विद्रोह की ज्वाला भड़की और भारत देश के अनेक वीरों ने प्राणों की बाजी लगाई और अंततः आजादी पाकर ही चैन लिया। उक्त विचार आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रभावक शिष्य परम पूज्य मुनि श्री अक्षयसागर जी महाराज ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व बेला पर अपने संबोधन में व्यक्त किए।

राष्ट्रध्वज हमारे यश, मान, स्वतंत्रता और आदर्श का चिह्न है: मुनिश्री ने कहा कि जिन भवनों और इमारतों पर 15 अगस्त के पूर्व तिरंगा झंडा लगाने का हमें अधिकार नहीं था, पंद्रह अगस्त को उन्हीं पर ध्वजारोहण हुआ। दिल्ली का लाल किला, 1857 का विजय स्मारक, असेम्बली का भवन और वाइसराय का भवन कितने दिनों से उस तिरंगे की प्रतीक्षा कर रहा था।

वीर-वीरांगनाओं को याद करने का दिन: मुनिश्री ने कहा कि हमें आजादी दिलाने के लिए न जाने कितने वीर वीरांगनाओं ने अंग्रेजों की अमानवीय यातनाओं व अत्याचारों का सामना किया और देश की आजादी के लिए अपनी आहुतियां दी। यह दिन ऐसे ही वीर-वीरांगनाओं को याद करने का दिन है।

एक जिम्मेदार और शिक्षित नागरिक बनने के लिए हों संकल्पित: मुनिश्री बोले आज हमें शपथ लेनी चाहिये कि हम कल के भारत के एक जिम्मेदार और शिक्षित नागरिक बनेंगे। हमें गंभीरता से अपने कर्तव्यों को निभाना चाहिये और लक्ष्य प्राप्ति के लिये कड़ी मेहनत करनी चाहिये तथा सफलतापूर्वक इस लोकतांत्रित राष्ट्र को नेतृत्व प्रदान करना चाहिये।स्वतंत्रता के मायने तभी हैं जब उसमें मयार्दा, चरित्र और समर्पण का भाव हो।

स्वतंत्रता के मायने तभी हैं जब उसमें मर्यादा, चरित्र और समर्पण का भाव हो

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस प्रसन्नता और गौरव का दिवस है। इस दिन सभी भारतीय नागरिकों को मिलकर अपने लोकतंत्र की उपलब्धियों का उत्सव मनाना चाहिए और एक शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं प्रगतिशील भारत के निर्माण में स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लेना चाहिए। स्वतंत्रता दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है। आज से 77 वर्ष पूर्व राष्ट्रध्वज गौरव के साथ फहराया गया। राष्ट्रध्वज हमारे यश, मान, स्वतंत्रता और आदर्श का चिह्न है। यह ध्वज सन्देशवहन का साधन है। राष्ट्रध्वज का केशरिया रंग हमें यह बताता है कि जब तक हम त्याग और बलिदान नहीं कर पाएंगे तब तक देश की रक्षा नहीं होगी। सफेद रंग हमें यह बताता है कि अहिंसा और सत्य मार्ग के बिना हमारी भारतीय संस्कृति टिक नहीं सकती। हरा रंग समृद्धि का प्रतीक है, इसलिए प्रकृति और निसर्ग की रक्षा हमें करनी चाहिए। ध्वज के बीच में जो चौबीस आरेवाला नीले रंग का धर्मचक्र हमारे लिए गतिमान और उन्नति का प्रतीक माना जाता है। यह हमें यही बताता है कि देश को रुकना नहीं, सदा गतिमान चलते रहना चाहिए।

अहिंसा के बल पर मिली आजादी: मुनिश्री ने बताया कि 15 अगस्त हमारे भारत के इतिहास में ही नहीं समग्र संसार के इतिहास में बड़ा महत्व का स्थान रखता है। इस दिन भारत हिंसा के बलपर नहीं, अहिंसा के बलपर स्वतंत्रता को प्राप्त करके सारे संसार के सामने रखा कि भारत के पास एक ऐसा अमोघ शस्त्र है, जो किसी अन्य राष्ट्रों के पास नहीं है।

संत, सैनिक और शहीद: मुनिश्री बोले संत और सैनिक का सम्बंध बहुत निकट का होता है। सैनिक देश की सुरक्षा के लिए सदैव डियूटी पर तैनात रहता है तो संत भी देश के कल्याण की भावना भाता है, लोगों को सत्पथ दिखाते हैं। संत, सैनिक और शहीद इन तीनों का एक ही कार्य होता है। सब प्राणिमात्र का कल्याण और सुख-शांति की भावना करते हैं। मैंने देखा है जहां संत और सत्ता एक साथ चलती है वहाँ आशातीत विकास होता है, उन्नति के नए मार्ग खुलते हैं। स्वतंत्रता की वेदी पर शहीदों के गिरे हुए एक-एक बूंद की कीमत जाननी पड़ेगी, तब ही 15 अगस्त यानि स्वतंत्रता दिवस का मूल्यांकन हो सकता है। सुखी रहें सब जीव जगत के कोई कभी न घबरावे। बैर, पाप, अभिमान छोड़ जग नित्य नए मङ्गल गए।।

शहीद गौरव सम्मान समारोह आज: मुनि श्री अक्षयसागर जी महाराज के ससंघ सान्निध्य में महावीर विद्या विहार मड़ावरा के प्रांगण में शहीद गौरव सम्मान समारोह का भव्य आयोजन सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त को दोपहर 1.30 बजे से आयोजित किया जा रहा है। जिसमें शहीद गौरव सम्मान भव्य समारोह पूर्वक प्रदान किया जाएगा तथा मुनिश्री की राष्ट्रीय देशना भी इस दौरान होगी। **संलग्न : संबोधित करते हुए परम पूज्य मुनि श्री अक्षयसागर जी शहीद गौरव सम्मान समारोह पत्रिका**

वेद ज्ञान

पुस्तक की तरह पढ़ें प्रकृति को

प्रकृति के अस्तित्व का प्रयोजन आत्मा को शिक्षित करना है। यह आत्मा को ज्ञान का लाभ लेना सिखाती है, ताकि ज्ञान से आत्मा स्वयं को मुक्त कर ले। यदि हम यह बात निरंतर ध्यान में रखें, तो हम प्रकृति के प्रति कभी आसक्त नहीं होंगे। हमें यह ज्ञान हो जाएगा कि प्रकृति हमारे लिए एक पुस्तक के समान है, जिसका हमें अध्ययन करना है। जब हमें उससे आवश्यक ज्ञान प्राप्त हो जाएगा, फिर वह पुस्तक हमारे लिए किसी काम की नहीं रहेगी। इसके विपरीत यह हो रहा है कि हम अपने को प्रकृति में ही मिला दे रहे हैं। हम यह सोच रहे हैं कि आत्मा प्रकृति के लिए है। आत्मा शरीर के लिए है। जैसी एक कहावत है, हम सोचते हैं 'मनुष्य खाने के लिए ही जीवित रहता है न कि जीवित रहने के लिए खाता है'। यह भूल हम निरंतर करते रहते हैं। प्रकृति को ही अहं मानकर हम प्रकृति में आसक्त बने रहते हैं। ज्यों ही इस आसक्ति का प्रादुर्भाव होता है, त्यों ही आत्मा पर प्रबल संस्कार का निर्माण हो जाता है, जो हमें बंधन में डाल देता है। जिसके कारण हम मुक्तभाव से कार्य न करके दास की तरह कार्य करने लग जाते हैं। इस सारी शिक्षा का सार यही है कि तुम्हें एक स्वामी के समान कार्य करना चाहिए, न कि एक दास की तरह। कर्म तो निरंतर करते रहें, लेकिन एक दास की तरह न करें। दरअसल, हम इच्छा न होने पर भी कार्य करते चले जाते हैं। इच्छा होने पर भी कोई आराम नहीं ले सकता। इसका फल होता है दुख। ये सब कार्य स्वार्थ पर होते हैं। मुक्तभाव से कर्म करें, प्रेमसहित कर्म करें। प्रेम शब्द का अर्थ समझना बहुत कठिन है। बिना स्वाधीनता के प्रेम आ ही नहीं सकता। यदि आप अनिच्छा से कोई काम कर रहे हैं, तो सच्चे प्रेम का भाव जागना असंभव है। यदि हम संसार के लिए अनिच्छा के साथ दास के समान कर्म करते हैं, तो इसके प्रति हमारा प्रेम नहीं रहता। इसलिए वह सच्चा कर्म नहीं हो सकता। हम अपने बंधु-बांधवों के लिए जो कर्म करते हैं, जहां तक कि हम अपने स्वयं के भी जो कर्म करते हैं, उसके बारे में भी ठीक यही बात है। यदि हम अनिच्छा से कोई काम करते हैं, तो इसके प्रति हमारा प्रेम नहीं होता है। सदिच्छा के साथ खुशी-खुशी किए गए कर्म के परिणाम बेहतर आते हैं।

संपादकीय

खेलों को मिले राजनीति से आजादी....

पेरिस ओलंपिक 2024 के मीठे-खट्टे अनुभवों को भारत एक सबक की तरह हमेशा याद रखेगा। छह पदकों (एक रजत, पांच कांस्य) के साथ ओलंपिक 2024 में भारत के सफर का समापन हो गया। यह याद आना स्वाभाविक है कि पिछले टोक्यो ओलंपिक में हमने सात पदकों (एक स्वर्ण, दो रजत, चार कांस्य) के साथ इससे बेहतर प्रदर्शन किया था। यह कहने में कोई हर्ज नहीं कि अगर पहलवान विनेश फोगाट की अयोग्यता

का मामला न होता, तो भारत अपने प्रदर्शन को दोहराने में सफल हो जाता। यह भी याद किया जाएगा कि विनेश फोगाट के मामले ने देश में बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया। ऐसा नहीं होना चाहिए था, लेकिन जिस देश में राजनीति और खेल संघों को अलग-अलग न किया जा सके, वहां ऐसे विवाद स्वाभाविक हैं। यह 100 ग्राम से उपजी सियासत भी सुबूत है कि हम खेलों व खिलाड़ियों के प्रति पूरी तरह पेशेवर या समर्पित नहीं हैं। विनेश प्रकरण के अनेक परत हैं, जिन पर हमें गौर करना होगा। फिर भी प्रशंसा करनी चाहिए कि हमने ओलंपिक की खेल अदालत में विनेश की शिकायत को पुरजोर ढंग से उठाया है और मुमकिन है कि 13 अगस्त को एक और रजत पदक हमारी झोली में आ जाए। सबसे बड़ी खुशी राष्ट्रीय खेल हॉकी को लेकर है कि हमने लगातार दूसरी बार कांस्य पदक जीता है। इससे निस्संदेह भावी खिलाड़ियों का मनोबल बढेगा, हम लगातार अपने खेल को सुधारते और पदक जीतते चले जाएंगे। इस ओलंपिक को नीरज चोपड़ा के रजत पदक और उनके साथी पाकिस्तानी अरशद नदीम के स्वर्ण पदक के लिए भी याद किया जाएगा। नीरज और नदीम की मां के उद्गार भी याद आएंगे। लंबे समय बाद पाकिस्तान की झोली में एक पदक, वह भी स्वर्ण आया है और पाकिस्तानियों को चर्चा के लिए एक सकारात्मक विषय मिला है। नदीम वहां प्रेरणास्रोत बनें, तो इसमें दक्षिण एशिया का हित है। यह ओलंपिक निशानेबाज मनु भाकर के लिए भी याद किया जाएगा। उन्होंने एक कांस्य पदक व्यक्तिगत शूटिंग में और दूसरा सरबजोत के साथ मिश्रित टीम में जीता है। निशानेबाज स्वप्निल कुसाले और पहलवान अमन सहरावत ने भी कांस्य जीतकर भारत का नाम रोशन किया है। यह ओलंपिक हॉकी गोलकीपर पी आर श्रीजेश की शानदार विदाई के लिए भी याद किया जाएगा। ये खिलाड़ी अब प्रेरणा-स्रोत बनकर भारतीय खेल इतिहास में दर्ज हो गए हैं। अब यहां से खेल प्रबंधकों-निर्णायकों के लिए काम शुरू हो जाता है। क्या सोचा गया था और क्या हुआ है? आगे क्या सुधार करना है? किससे क्या सीखना है? खेल निर्णायकों को युद्ध स्तर पर काम करना होगा, तभी उनकी सार्थकता है, वरना पदक तालिका तो अभी कहीं उत्साह से दिखाने लायक भी नहीं है। सबसे ज्यादा पदक अमेरिका ने जीते हैं, पर चीनी खिलाड़ियों ने रणनीति के तहत स्वर्ण पर निशाना साधा है। जापान, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, नीदरलैंड, ग्रेट ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली इत्यादि के पदक गिनने के बजाय हमारा जोर अपने प्रदर्शन को सुधारने पर होना चाहिए। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

शंभू बॉर्डर

सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर पंजाब और हरियाणा पुलिस के प्रमुखों से कहा है कि वे किसानों से बात करके शंभू सीमा को एक हफ्ते के भीतर खुलवाएं। राजमार्ग वाहन खड़ी करने की जगह नहीं होते। अदालत ने कहा कि एंबुलेंस, आवश्यक सेवाओं, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, छात्र-छात्राओं और आसपास के स्थानीय लोगों की आवाजाही के लिए शंभू सीमा को आंशिक रूप से खोलना आवश्यक है। दरअसल, फरवरी से ही किसान शंभू सीमा पर अपनी ट्रैक्टर ट्रालियों में बसेरा बना कर डेरा डाले हुए हैं। इससे वहां आवाजाही बाधित है। पिछले आंदोलन के समय किए गए वादे पूरे न होने से नाराज पंजाब के किसानों ने दिल्ली कूच किया था। मगर हरियाणा सरकार ने उन्हें राज्य की सीमा में प्रवेश से रोक दिया था। सड़कों पर दीवारें खड़ी कर कील-कांटे लगा दिए थे। उन्हें वापस लौटने पर मजबूर करने के लिए कई दिन तक ड्रोन से आंसू गैस के गोले बरसाए जाते रहे। पुलिस की गोलीबारी में एक प्रदर्शनकारी युवा किसान की मौत भी हो गई थी। तब किसानों ने शंभू सीमा पर उसी तरह डेरा डाल दिया था, जैसे पिछले आंदोलन के समय दिल्ली की बाहरी सीमाओं पर साल भर से अधिक समय तक किसान बैठे रहे थे। हरियाणा सरकार का रुख अब भी किसानों को छकाने का ही है। कुछ समय पहले पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने हरियाणा सरकार को फटकार लगाते हुए कहा था कि किसानों को अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करने का नागरिक अधिकार है। कोई भी सरकार सड़कें खोद और उन पर कील-कांटे गाड़ कर उनके अधिकारों का हनन नहीं कर सकती। तब हरियाणा सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई थी, पर वहां से भी उसे वही फटकार सुनने को मिली। सर्वोच्च न्यायालय ने दोनों सरकारों से ऐसे गैर-राजनीतिक लोगों के नाम मांगे थे, जिनकी एक समिति गठित की जा सके, जो किसानों से बातचीत करके समस्या का समाधान करने का प्रयास करे। वह समिति गठित हो गई है। वह किसानों से बातचीत कर क्या सुझाव देती है और उस सुझाव को सरकारें किस हद तक स्वीकार करती हैं, देखने की बात है। मगर फिलहाल शंभू सीमा पर किसानों के वाहन खड़े करने से पैदा अवरोध को दूर करने का मसला है। यह कोई मुश्किल काम नहीं है। किसान यों भी सामान्य नागरिकों के कामकाज में बाधा नहीं डालना चाहते। पुलिस की ज्यादतियों की वजह से यह संकट अधिक बना हुआ है। किसानों से अधिक अवरोध तो खुद पुलिस ने किसानों को रोकने के मकसद से खड़े कर रखे हैं। विवादित तीन कृषि कानूनों को वापस लेते वक्त केंद्र सरकार ने वादा किया था कि वह जल्दी ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी देने वाला कानून बना लेगी। मगर करीब तीन साल बीत जाने के बाद भी इस पर कोई कदम आगे नहीं बढ़ाया जा सका है। ऐसे में किसानों की नाराजगी समझी जा सकती है। असल मुद्दा यही है। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर हरियाणा सरकार ने तो घोषणा की है कि वह किसानों का सारा अनाज न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदेगी, मगर किसान भी जानते हैं कि यह केवल चुनावी जुमला है। जब तक न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी का कानून नहीं बनता, किसान शायद ही आंदोलन का रास्ता छोड़ना चाहेंगे। हरियाणा और पंजाब की सीमा पर प्रदर्शन कर रहे किसानों से बातचीत के लिए गठित समिति के लिए भी यह मामला आसान नहीं लगता।

देश की स्वतंत्रता में जैन धर्म एवं जैन धर्मावलंबियों का योगदान

अहिंसा से बढ़कर कोई हथियार नहीं। लेकिन यह दूसरी तरह का हथियार है, जिसमे कोई खून खराबा नहीं होता है। जिसमें मन को जीता जाता है, मन से जीता जाता है । जिसमें किसी की हार नहीं होती है, सभी की जीत होती है। स्थायित्व की स्थापना होती है। बदले की भावना के विषम चक्र का अदर्शन होता है। केवल जैन दर्शन में ही अहिंसा के सूक्षतम रूप को विस्तृत रूप में अपनाये जाने की प्रेरणा दी जाती है। हमारे देश की आजादी में अहिंसा नाम के ब्रह्मास्त्र का ही उपयोग किया गया था। यह सर्व विदित है कि 78 वर्ष पूर्व देश को स्वतंत्रता जैन धर्म के अहिंसा व सत्य के सिद्धांत की पालना करने से ही प्राप्त हुई है। गांधीजी पर अहिंसा का प्रभाव बचपन से पड़ गया था। बचपन में ही उनके अंदर जैन संस्कार थे। उनकी माता सूर्यास्त से पूर्व भोजन करती थी । जब गांधी जी को पढ़ाई के लिए विदेश भेजना था, तब उनके माता-पिता ने जैन गुरु इस बारे में बात की तो जैन गुरु ने उन्हें वहां जाकर नशा नही करना, अंडा व मांस का भक्षण नहीं करना व पराई स्त्री से दूर रहने का नियम दिलाया। विदेश में उन्हें लोगों द्वारा काफी भटकाने की कोशिश करने के उपरांत भी वे अपने नियम पर अड़े रहे। उन्हें विदेश में धर्म परिवर्तन करने के लिए भी कहा गया। फिर महात्मा गांधी ने जैन भाई राय चंद जिन्हें जैन धर्म के सिद्धांतों की गहन जानकारी थी, उन्हें समाधान के लिए 50-60 प्रश्न भेजकर उनका उत्तर जानना चाहा। उनके उत्तर से गांधी जी के सभी संदेह दूर हो गए तथा धर्म परिवर्तन नहीं किया। गांधी जी जन्म से नहीं कर्म से जैन थे। अंततोगत्वा महात्मा गांधी के अहिंसात्मक आंदोलन के कारण ही अंग्रेजों को भारत छोड़ना पड़ा और स्वतंत्रता की प्राप्ति हुई । अहिंसा के बल पर ही वह आज राष्ट्र पिता के नाम से जाने जाते हैं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे देश के सभी धर्मावलंबियों ने जेल की यातनाएं सहकर एवं बलिदान देकर भारत को स्वतंत्रता दिलाने में सहयोग दिया। जैन धर्मावलंबी भी देश की स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी रहे है। जैन धर्मावलंबियों ने भी स्वतंत्रता के इस महायज्ञ में अपना सर्वस्व समर्पण किया है एवम लगभग २० जैन शहीदों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया । ग्वालियर नरेश के खजांची अमर शहीद अमरचंद जी बांठिया ने खजाना खोलकर स्वतंत्रता के प्रहरियों की सहायता की। बहादुरशाह जफर के दोस्त लाला हुकमचंद जैन व उनके भतीजे फकीरचंद जैन को उन्हीं के मकान के आगे फाँसी पर लटका दिया । इसी तरह मोतीचंद शाह, उदयचंद जैन, साबूलाल जैन, अर्जुनलाल सेठी जैसे अनेक क्रांतिकारी सेनानियों के कारनामों से इतिहास भरा पड़ा है। 23/12/1912 को जब गवर्नर जनरल हार्डिग का चांदनी चौक से जुलूस निकला था तो उस जुलूस पर बम फेंकने का आरोप अर्जुन लाल जी सेठी पर लगा था एवम् कई वर्षो तक उन्हें जेल में रखा गया था जबकि वो बम किसी अन्य क्रांतिकारी ने फेंका था। स्वतंत्रता सेनानी पंजाब केसरी लाला लाजपतराय की दादी जैन धर्मावलंबी थी और वह किसी साधु को भोजन कराये बिना स्वयं भोजन नहीं करती थीं। जैन पत्रकारिता के पितामह बाबू ज्योतिप्रसाद जैन द्वारा ''जैन प्रदीप'' में 1930 में ''भगवान महावीर और गांधीजी'' नामक उर्दू में छपे लेख से अंग्रेज इतना डर गये थे कि उन्होंने इस समाचार पत्र की सारी प्रतियाँ ही जब्त कर ली थी और इसके प्रकाशन पर रोक लगा दी गई थी। प्रसिद्ध साहित्यकार कल्याण कुमार ''शशि'' तथा श्यामलाल पाण्डवीय की पुस्तक और पत्रिका भी जब्त कर ली गई थी। इस तरह अनेक जैन पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से जैन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने आजादी के यज्ञ में तन–मन–धन, साहित्य तथा क्रांतिकारी विचारों से समर्पण भाव से सहयोग दिया। पं. बंशीधरजी व्याकरणाचार्य, पं. फूलचंद जी सिद्धांत शास्त्री, पं. खुशालचंदजी गोरावाला जैसे प्रसिद्ध विद्वानों ने भी जेल की कठिन यातनाएं सहन की थी। लगभग 5 हजार से भी अधिक जैन धर्मावलंबी जेल गये और सैकड़ों जैनियों ने जेल से बाहर रहकर तन–मन–धन से बढ़ चढ़कर यथा संभव सहयोग दिया। कोई जेल जाकर, कोई बाहर रहकर तथा कई ने आर्थिक सहयोग देकर इस आंदोलन को सशक्त बनाया। इतना ही नहीं, जैन महिलाओं ने भी स्वतंत्रता के इस आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खास बात यह रही कि जैन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने जेल में रहकर तथा अनेक यातनाएँ सहन करते हुए भी अपने जैनत्व के संस्कार को नहीं छोड़ा। स्वतंत्रता सेनानी सनावद के कमलचंद जैन एडवोकेट का देवदर्शन बिना भोजन नहीं करने का नियम था। दशलक्षण पर्व के दिनों में वह जेल में थे, उन्होंने अनशन कर दिया। जेल में ही उनके दर्शन के लिए प्रतिमाजी लाने की अनुमति मिली। वे प्रतिदिन अभिषेक पूजन के साथ दोपहर को तत्वार्थसूत्र का पाठ करते और संध्या को सामायिक अन्य जैन साथियों के साथ करते थे। भोजन भी अपने हाथों से बनाकर शुद्ध भोजन दिन में एक बार करते थे। इसी तरह 1943 में इन्दौर के सेण्ट्रल जेल में म.प्र. के पूर्व मुख्यमंत्री श्री मिश्रीलाल गंगवाल भैयाजी तथा पद्मश्री बाबूलालजी पाटोदी ने भी जेल में ही रहकर सारी दैनिक क्रिया पर्व के अनुसार करते हुए तथा शुद्ध भोजन करते हुए पर्व मनाया करते थे। महान क्रांतिकारी अर्जुनलाल सेठी ने बेलूर जेल में 56 दिनों तक निराहार व्रत करते हुए दर्शन– पूजन के लिये जिनेन्द्र प्रतिमा नहीं दिये जाने का विरोध किया। जैन जाग्रति का शंखनाद करने वाले तथा अनेक जैन पत्र पत्रिकाओं का संपादन करने वाले श्री अयोध्या प्रसाद गोयलीय के पिता श्री रामशरणदास जी ने भी जेल में रहकर 6 माह तक केवल नमक को पानी में घोलकर रोटी इसलिये खाई, क्योंकि जेल में मिलने वाली सब्जी में प्याज रहता है था, उनके मौन सत्याग्रह की आखिर में विजय हुई तथा बिना प्याज की सब्जी इनके लिये अलग से बनने की जेल अधिकारियों ने मंजूरी दी। ''अत्याचार कलम मत सहना, तुझे कसम ईमान की'' जैसी क्रांतिकारी रचना के कारण प्रसिद्ध कल्याण कुमार 'शशि' जो कभी विद्यार्थी नहीं रहे, कोई डिग्री जिन्होंने प्राप्त नहीं की, उन पर एक अंग्रेज एस.पी. पर बम फैकने के अपराध में रावलपिण्डी और कश्मीर की जेलों में यातना सहना पड़ी। मध्यभारत के प्रथम मुख्यमंत्री श्री लीलाधरजी जोशी मंत्रिमण्डल में केबिनेट मंत्री रहे इन्दौर के कुसुमकान्त जैन को जब क्रांतिकारियों ने बम ले जाने और आग लगाने के निर्देश दिये तो उन्होंने यह कहकर मना कर दिया कि मैं जैनी हूँ, हिंसा का काम नहीं करूँगा। इसी तरह गोवर्धन दास जी जैन आगरा में रहकर स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जैन संस्कारों का स्वयं पालन किया करते थे तथा अन्य जैन साथियों को भी प्रेरणा देते थे। खजुराहो के निकट गाँव में पैदा हुए शहीद छोटेलालजी जैन के साथ जब जेल में खाने पीने की जबरदस्ती की गई तो उन्होंने अनशन करते हुए अपना दृढ़ निश्चय का सिंहनाद किया कि जब तक उन्हें छना पानी और शुद्ध भोजन नहीं मिलेगा तक एक बूँद वे अन्न जल ग्रहण नहीं करेंगे। अंततः शासन को झुकना पड़ा। जबलपुर के पनागर में जन्मे सिंघई जवाहरलाल जैन का उदाहरण भी कुछऐसा ही है। दश लक्षण पर्व में वे अपने 40–50 जैन साथियों सहित जेल में थे, उन्होंने जेल में इस बात को लेकर सत्यग्रह किया कि पर्व के दिनों में अपने हाथ से बना शुद्ध भोजन ही ग्रहण करेंगे, जिसमें उन्हें सफलता प्राप्त हुई और दसों दिन पर्व में पूजन भजन के साथ सात्विक भोजन ही किया। पन्ना दमोह क्षेत्र से सांसद रहे प्रसिद्ध सामाजिक राजनीतिक पदों को सुशोभित करने वाले श्री डालचंद जैन ने स्वतंत्रता आंदोलन में सम्मिलित उन सभी जैन सेनानियों की जेल में शुद्ध भोजनादि की व्यवस्था की। आचार्य नेमिसागर महाराज ने भी गृहस्थ अवस्था में स्वाधीनता आंदोलन में सक्रिय सहयोग दिया था। ग्यारह माह तक लाहौर जेल में रहे, जेल की अशुद्ध रोटी नहीं खाई। कई दिनों तक उपवास किया। अंत में शुद्ध भोजन की व्यवस्था हुई। इसी तरह क्षुल्लक पदमसागर जी महाराज ने भी गृहस्थ अवस्था में स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय सहयोग दिया। उन्हें बड़ौदा में 144 धारा तोड़ने के कारण जेल जाना पड़ा। जैन समाज के प्रख्यात विद्वान पं. परमेष्ठीदास जी भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रहते हुए जेल गये। 20वीं सदी के अग्रगण्य जैन विद्वानों में पं.फूलचंद जी शास्त्री का नाम आदर से लिया जाता है। वे भी ललितपुर में गिरफ्तार हुए और जेल गये। वे विदेशी वस्त्र एवं सामग्रीयों का उग्रतापूर्वक बहिष्कार करते थे स्वयं देशी वस्त्र पहनते थे, एक विदेशी विद्वान के यह पूछने पर कि जैन धर्म को अन्य धर्मों से अलग किस तरह से समझा जाये, तो उन्होंने उत्तर दिया कि व्यक्ति स्वतंत्रता जैन धर्म का उद्देश्य है और स्वावलम्बन उसकी प्राप्ति का मार्ग है। जैन दर्शन के उद्भट विद्वान पं.बंशीधर जी व्याकरणाचार्य भी इस मातृभूमि को स्वतंत्रता दिलाने में पीछे नहीं रहे। युवाअवस्था से ही आप देश सेवा के यज्ञ में सक्रिय रहे। सागर, नागपुर, अमरावती आदि जेलों की यातनाओं में भी उनके जैनत्व के संस्कार अपराजेय ही रहे।पद्म श्री बाबूलाल जी पाटोदी समाज के सम्मानित और प्रतिभावान नेता तो रहे ही हैं, स्वतन्त्रता आंदोलन में 1939 से ही सक्रिय हो गये थे और अपने जीवन में अनेक बार जेल की दारुण यातनाएँ सहनी पड़ीं। इन्दौर के तत्कालीन मध्यभारत के मुख्यमंत्री रहे मालवा के गांधी के नाम से प्रसिद्ध श्री मिश्री लाल जी गंगवाल भैय्याजी ने अनेक आंदोलनों में हिस्सा लिया तथा जेल यात्राएं भी की। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में वर्ष 1525 ई. से 40 वर्ष तक रानी अब्बक्का, जो जैन धर्मावलंबी थी, ने पुर्तगालियों से संघर्ष किया था। मुगलों के समय में भी भामाशाह नामक दानवीर भी जैन ही था। महाराणा प्रताप को उन्होंने अपना सारा खजाना, जमा धन मुगलों के विरुद्ध लड़ाई हेतु समर्पित कर दिया था। कह सकते है कि अहिंसा भी एक धारदार हथियार है जो किसी को शरीर से नहीं मन से मारता है । मन से मारने में सामने वाले को अपनी बुराई छोड़ने में खुशी का अनुभव होता है, उसकी आत्मा परम पवित्र बन जाती है । चारो ओर निर्भय का वातावरण बन जाता है, स्वतंत्रता का अनुभव होता है। जैन धर्म के सिद्धांत शाश्वत सत्य है, पुराने जमाने से लेकर आज तक इनमे कोई परिवर्तन नहीं हुआ है । विश्व शांति जैन धर्म के सिद्धांत अपनाकर ही प्राप्त की जा सकती है ।

सहयोग, सन्मतिवाणी
संकलन : भागचंद जैन मित्रपुरा
अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर। 9950999339

श्री महावीर स्कूल द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत किया तिरंगा वितरित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री महावीर दिगंबर जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत शिक्षा परिषद के मानद मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला एवं विद्यालय आचार्या श्रीमती रेनू गोस्वामी के नेतृत्व में स्काउट गाइड एवं NSS के विद्यार्थियों ने संग्राम कॉलोनी में लोगों को जागरुक करते हुए प्रत्येक घर में जाकर तिरंगा वितरण किया एवं लोगों को देश भक्ति का संदेश देते हुए अपने घर में स्वतंत्रता दिवस पर झंडा लहराने का संदेश दिया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन NSS प्रभारी नरेश जैन ने किया।

जे एस जी अरिहंत का "सावन की बौछार गीतों की बहार" कार्यक्रम उल्लास पूर्वक संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजी अरिहंत का ''सावन की बौछार गीतों की बहार'' कार्यक्रम रविवार दिनांक 11 अगस्त 2024 को राज आंगन रिजॉर्ट्स पत्रकार कॉलोनी में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। ग्रुप अध्यक्ष राजकुमार पायल सोगानी ने बताया कि इस कार्यक्रम को सावन के मौसम में देशभक्ति के रंग में रंगा गया था। जिसमे राजस्थानी लोकनृत्य के साथ साथ बॉलीवुड एवम संगीत जगत के जाने माने गायक कलाकारों द्वारा संजोया गया था। दिनभर मूसलाधार बारिश के बावजूद भी ग्रुप सदस्यो और आमंत्रित अतिथियों ने कार्यक्रम में पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाया और सभी ने कार्यक्रम का जमकर आनंद लिया। ग्रुप सचिव से कमलेश मीनू चांदवाड़ ने बताया कि कार्यक्रम को दो भागों में विभाजित किया गया था जिसमे प्रथम भाग में राजस्थानी लोकनृत्य के साथ लहरिया थीम पर विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमे लहरिया क्वीन का खिताब श्रीमती सीमा जैन धर्मपत्नी कपिल जैन ने जीता और भी बहुत सी प्रतियोगिताओं में आकर्षक पुरुस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के संयोजक राजेश रुचि सेठी, प्रतीक पूजा जैन एवम सुगन रंजीता पापड़ीवाल ने बताया की इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक आदरणीय सुदेश शर्मा , जावेद हुसैन (बॉलीवुड सिंगर, वीरझजारा फेम) , मोजान हुसैन , सुश्री हसीबा खान , मनोज गंगवाल , एवम ग्रुप सदस्या सुश्री यष्टि जैन ने अपने मधुर आवाज में सावन और देशभक्ति गीतों के माध्यम से कार्यक्रम में समा बांध दिया। कार्यक्रम संचालन सुप्रसिद्ध एंकर आरजे कबीर के द्वारा किया गया। ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष राजीव अनिला पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम में फेडरेशन एवम रीजन पदाधिकारीयो की भी ग्रुप के विशेष आमंत्रण पर गौरवम्मयी उपस्थिति रही। जिसमे रीजन चेयरमैन महेंद्र सिंघवी, नॉर्दर्न रीजन संस्थापक चेयरमैन एवम फेडरेशन पूर्व अध्यक्ष राकेश रेखा जैन, फेडरेशन सचिव महेंद्र मीनू गिरधारवाल, इंटरनेशनल डायरेक्टर सी एस जैन संगीता जैन, पूर्व चेयरमैन सूर्य प्रकाश छाबड़ा, जी पी टोंग्या , संजय चंचल पांड्या, वाइस चेयरमैन रविन्द्र रचना बिलाला, सचिव सिद्धार्थ जैन, संयुक्त सचिव डॉ.राजीव जैन, पी आर ओ.एडमिन राजेश संगीता काला ने अपनी उपस्थिति के माध्यम से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और सावन एवम देशभक्ति गीतों का आनंद लिया। राकेश जैन ने भी अपनी मधुर आवाज में एक रोमांटिक गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन टीम एमरल्ड हाउस द्वारा किया गया जिसमे हाउस कॉर्डिनेटर राजेश रुचि सेठी, प्रतीक पूजा जैन, सुगन रंजीता पापड़ीवाल, पवन प्रेमलता पांड्या, सहित सभी एमरल्ड हाउस टीम और विशेष आभार डा.राजीव अंजु जैन, नरेंद्र स्वाति जैन, ज्ञान ममता जैन, अरविंद दीपिका जैन का जिन्होंने ग्रुप की सदस्यता ग्रहण करते ही अपने अनुभव एवम योग्यता का सही उपयोग करते हुए ग्रुप के इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

गुलाबीनगर ग्रुप की वियतनाम यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर के 37 सदस्यों की वियतनाम यात्रा अध्यक्षा सुशीला बड़जात्या के नेतृत्व में 13 अगस्त को सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। वियतनाम में 3 दिन हनोई, 3 दिन दानांग व 3 दिन सैगोन के विभिन पर्यटन स्थलों व विभिन्न मनोरंजक गेम, व एक दिन (24 घंटे) क्रूज की यात्रा का लुत्फ लेते हुये सम्पन्न हुई। यात्रा की खासियत यह रही कि यात्रा के दौरान सभी सदस्य स्वस्थ रहे व यात्रा का भरपूर आनंद लिया। फ्लेमिंगो मैनेजर सतेंद्र शर्मा द्वारा भोजन में विशेष रूप से जैन भोजन राजस्थानी दाल बाटी चूरमा, पानी के पतासे व साउथ इंडियन डिशेज उपलब्ध कराई गई व यात्रा के पर्यटन स्थलों के लिये ग्रुप सदस्यों ने सतेन्द्र शर्मा का स्वागत किया। ग्रुप की अध्यक्षा सुशीला विनोद बड़जात्या व विशिष्ट सलाहकार व यात्रा के संयोजक पदमचंद जैन भावसा द्वारा यात्रा को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने के लिये सभी सदस्यों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की। अंत मे अध्यक्षा सुशीला विनोद बड़जात्या ने सभी सदस्यों को यात्रा में सहयोग के लिये आभार व धन्यवाद प्रकट किया तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिये क्षमा भाव प्रकट किये।

भारी बारिश से इंसानों के साथ बेजुबान पक्षी भी हुए बेघर

जयपुर. शाबाश इंडिया

मंगलवार को अजमेरी गेट पर बना अबाबील पक्षी का विशाल घोसला भारी बरसात के चलते नीचे गिर गया जिससे अबाबील पक्षी परिवार के सैकड़ों बच्चे बेघर हो गये। नीचे गिरे अबाबील पक्षी के विशाल घोसले को देख लोग हैरान रह गए। लोगो द्वारा घायल पक्षियों को रैस्क्यू करने वाली संस्था को फोन कर सूचना दी गई। हेल्प एंड सर्व चेरिटेबल ट्रस्ट की रैस्क्यू टीम द्वारा अबाबील पक्षी के विशाल घोसले को रैस्क्यू कर वन विभाग के शेल्टर डियर पार्क में पहुँचाया गया। ट्रस्ट संरक्षक अजय यादव (पूर्व पार्षद व चेयरमैन) व निदेशक नीरज चतुर्वेदी ने बताया कि अबाबील पक्षी के विशाल घोंसले से बच्चों को निकाल कर उनकी गणना की गई जिसमे 125 जीवित बच्चे, 32 मृत बच्चे व 37 अण्डे मिले। ट्रस्ट द्वारा सभी बच्चों को वन विभाग फॉरेस्टर भेरुराम जाट को सुपुर्द किया गया। रैस्क्यू टीम में नीरज चतुर्वेदी, हरजिंदर सिंह(पप्पू सरदार), लखन साहू, किशन जांगिड़ व रवि कश्यप (वर्गो सांस्कृतिक संस्था) मौजूद रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

''कौन कहता है भगवान आते नहीं'' महिला मंडल द्वारा नाटिका का मंचन

टोंक. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन नसिया में चल रहे भक्तामर काव्य विधान के तहत मगंलवार रात्रि को देई महिला मंडल द्वारा ''कोन कहता है भगवान आते नहीं'' नाटिका मंचन किया गया जो देर रात तक चला। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान ने बताया की देई महिला मंडल द्वारा ''कौन कहता है भगवान आते नहीं'' एक नाटिका का मंचन किया गया जिसकी विधिवत शुरूआत चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन समाज के अध्यक्ष भागचंद फुलेता, वर्षायोग समिति के अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया मंत्री धर्मेंद्र पासरोटियां विमल बरवास डॉक्टर चेतन नीटू छामुनिया ओम ककोड़ रिंकू बोरदा अनिल सर्राफ सुरेंद्र अजमेरा ओम मोहम्मदगढ़ आदि लोगों के द्वारा किया गया नाटिका का मंचन णमोकार मंत्र नृत्य के माध्यम से कार्यक्रम की शुरूआत की गई इस नाटिका में दुशासन द्वारा द्रोपदी का चीर हरण दृश्य पर श्रद्धालुओं काफी भाव विभोर हुए, और आंखो में अश्रु धारा बहने लगी देर रात तक चली जैन महाभारत नाटिका में यह बताया गया की पंच परमेष्ठी के ध्यान करने से सभी प्रकार के विघ्न दूर हो जाते हैं कितना भी बड़ा अमंगल आवे वह भी मंगल में बदल जाता है महिला मंडल का सम्मान किया गया इसमें काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

विश्व शांति महायज्ञ के साथ आज होगा भक्तामर काव्य विधान का समापन

श्री दिगंबर जैन नसिया में चल रहे विगत 31 जुलाई से भक्तामर काव्य विधान का समापन आज 15 अगस्त गुरुवार को विश्व शांतिमहायज्ञ के साथ भव्य समापन होगा। समाज के प्रवक्ता पवन कटान एवं कमल सर्राफ में बताया कि 16 दिवसीय भक्तामर काव्य विधान गुरुवार को प्रात काल 8 बजे से शुरू होगा उसके पश्चात हवन कुंड में सौधर्म एवं कुबेर इंद्र द्वारा हवन कुंड में आहुतियां दी जाएगी दी जाएगी एवं विश्वशांति महायज्ञ के साथ समापन होगा इसी के साथ 9:00 जैन नसिया प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराया जाएगा इससे पूर्व बुधवार को भक्तामर काव्य विधान में पंडित मनोज कुमार जी शास्त्री के सानिध्य में सौधर्म भागचंद फतेह कुमार पवन कुमार प्रदीप कुमार सर्राफ एवं कुबेर इंद्र विमल कुमार अंशुल कुमार बनेठा सहित इंद्राणियों ने पूजा अर्चना करके पूजा अर्चना करके श्रीफल के अर्घ्य के समर्पित करवाएं।

देशभक्ति सीखनी है तो बच्चों से सीखें

जयपुर. शाबाश इंडिया। चाहे गणतंत्र दिवस हो या फिर स्वतंत्रता दिवस, एक बच्चे ही तो होते हैं जिनके मन में सच्ची देशभक्ति होती है। नन्हे नन्हे बच्चों देशभक्ति ड्रेस में आजादी के नारे लगाते देखे जा सकते हैं। जो बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं उनकी देशभक्ति तो आप तिरंगे से खेलते हुए देख सकते हैं। कहा जाता है कि बच्चे भगवान का रूप होते हैं। ऐसी ही एक पहल की है हमारे दैनिक संपादकीय लेखकों डॉ सत्यवान सौरभ और प्रियंका सौरभ के बेटे प्रज्ञान ने जो अभी दस महीने का ही हुआ है और अपने पहले स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगे के साथ खेल रहा है। उन मन गंगा जल की तरह पवित्र होता है। जो बच्चे बोलना शुरू करते हैं। उनकी जुबान पर जो भी आता है वह सच्चाई की प्रतिमूर्ति मानी जाती है। यह कहा जा सकता है कि बड़ों को भी बच्चों के सच्चे मन से कुछ सीखना चाहिए। यह जो आदमी ज्यों ज्यों बड़ा होता जाता है त्यों त्यों उसका दिमाग शातिराना होने की कोशिश करता है। ऐसे में बच्चों की भाव भंगिमा और उनके बोलने चालने से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। (राष्ट्रीय पहल)

रिलायंस फाउंडेशन देगा 5,100 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, हरेक को मिलेंगे दो लाख से छह लाख रुपए

भारत का सबसे बड़ा छात्रवृत्ति कार्यक्रम

मुंबई. शाबाश इंडिया। रिलायंस फाउंडेशन ने 2024-25 के लिए 5,100 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने की घोषणा की है। देश भर के वो विद्यार्थी जो किसी स्नातक (ग्रेजुएट) या स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्रेजुएट) कोर्स में प्रवेश चाहते हैं, वो इसमें 6 अक्टूबर, 2024 तक आवेदन कर सकते हैं। ग्रेजुएट कोर्स में हर विषय में छात्रवृत्ति दी जा रही है। ग्रेजुएशन कर रहे हरेक छात्र-छात्रा को दो लाख रुपए तक की स्कॉलरशिप दी जाएगी जो छात्र स्नातक या स्नातकोत्तर कोर्स के पहले वर्ष में प्रवेश लेने जा रहे हैं वो इस छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। स्नातक कोर्स कर रहे विद्यार्थी किसी भी विषय में आवेदन कर सकते हैं। उन्हें छात्रवृत्ति मेरिट और पारिवारिक आय के आधार पर दी जाएगी। स्नातकोत्तर कोर्स में इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी, एनर्जी और लाइफ साइंस विषयों में छात्रवृत्ति दी जा रही है और यह सिर्फ मेरिट के आधार पर दी जाएगी। स्नातकोत्तर कोर्स में प्रवेश लेने जा रहे विद्यार्थियों को छह लाख रुपए तक की छात्रवृत्ति दी जाएगी। रिलायंस ने अब तक 23,000 से ज्यादा छात्रवृत्तियां दी हैं। अधिक जानकारी के लिए स्कॉलरशिप्स डॉट रिलायंस फाउंडेशन डॉट ओआरजी पर लॉग-इन कर सकते है।

सुभाष चौहान को नेपाल के बिराटनगर में मिला सम्मान

मातृभूमि फाउंडेशन के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में भारत सहित विभिन्न देशो के 150 प्रतिनिधियो ने लिया भाग

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। पड़ौसी देश नेपाल के शहर बिराटनगर में मातृभूमि फाउंडेशन की ओर से अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर परे आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय सामाजिक संस्था दिव्या युवा मंच के संस्थापक सुभाष चौहान को सम्मानित किया गया। ''फ्रॉम क्लिक्स तो प्रोग्रेसः यूथ डिजिटल पाथवेज फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट'' थीम पर आधारित बिराटनगर यूथ कॉन्क्लेव नामक इस कार्यक्रम में नेपाल सहित भारत के विभिन्न राज्यों से करीब 150 प्रतिनिधि पहुंचे थे। कार्यक्रम के तहत सुबह बिराटनगर के हनुमान मंदिर से कार्यक्रम स्थल तक एक शांति रैली निकाली गई जिसमे सभी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में नेपाल के मुख्य वक्ता फिल्म निमार्ता सलीम अंसारी, दीना प्रधान, सबिन उपाध्याय, रूपेश खातिवाड़ा, वसीम आलम व कृति उपाध्याय थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि निःस्वार्थ भाव से की गई सहायता ही सेवा कहलाती है। हम सब को अपने सामर्थ्य अनुसार जरूरतमंदों की सेवा करनी चाहिए। सेवा का कोई भी रूप हो सकता है। उन्होंने युवाओं से अपने माता-पिता व परिवार को समय देने तथा अपनी मातृभूमि की सेवा करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांधा। मातृभूमि फाउंडेशन के चेयरमैन चांद बाबू इराकी ने बताया कि सुभाष चौहान को यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय स्तर के विभिन्न मंचों के माध्यम से युवाओं को सामाजिक कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित करने तथा उनकी संस्था दिव्या युवा मंच द्वारा अब तक किये गए सामाजिक कार्यों के लिए दिया गया है। इस अवसर पर दिल्ली के प्रेरक शुब्रो रॉय, कानपुर के एडवोकेट विशाल सागर पुरी, असम से सीएसआर विशेषज्ञ अमलेश अधिकारी, बिहार से साईकल गर्ल अर्पणा सिन्हा, वीरांगना दीपिका कुमारी व पर्यावरण वैज्ञानिक नाज औजैर, अक्षय कुमार झा, सहित अन्य कई प्रमुख लोग भी थे। आपको बता दे कि इससे पूर्व सुभाष चौहान को भूटान, नेपाल, श्रीलंका, मलेशिया, सिंगापुर की विभिन्न संस्थाओं के साथ साथ भारत के कई राज्यों की संस्थाओं व स्थानीय उपमंडल प्रशासन भी सम्मानित कर चुके है।

मन मस्तिष्क को स्वस्थ रखने की उत्कृष्ट औषधि आगम वचन और शास्त्रों का स्वाध्याय है : आर्यिका वर्धस्व नंदनी

तिजारा अलवर. शाबाश इंडिया। जिस प्रकार सावन की झड़ी लग रही है उसी प्रकार अतिशय क्षेत्र देहरा तिजारा में आचार्य वसुनंदी महाराज की शिष्या आर्यिका वर्धस्व नंदिनी माताजी के माध्यम से ज्ञान रूपी अमृत वर्षा की झड़ी लग रही है। आर्यिका श्री जीवन के सूत्र बताते हुए आर्ट ऑफ थिंकिंग विषय पर अपने उद्बोधन प्रतिदिन प्रातः कालीन प्रदान कर रही हैं। आर्यिका श्री वर्धस्व नंदनी माताजी ने कहा कि यदि जीवन में सम्यक प्रकार से जीना चाहते हो तो सर्वप्रथम अपनी सोच को सम्यक करो। क्योंकि स्वस्थ मन अर्थात स्वस्थ विचार ही स्वस्थ जीवन को जन्म देते हैं। आप तन को स्वस्थ रखने के लिए औषधि लेते हैं बैलेंस डाइट का उपयोग करते हैं। ऐसे ही मन मस्तिष्क को स्वस्थ रखने की उत्कृष्ट औषधि आगम वचन और बैलेंस डाइट आचार्य प्रणीत शास्त्रों का समय अनुसार स्वाध्याय करना है।उन्होंने विस्तृत विवेचना करते हुए कहा कि स्वस्थ तन तो सिर्फ एक जीवनी खराब करेगा किंतु अस्वस्थ विचार सोच व मन ना जाने कितने भवों को खराब कर देगा। इसलिए सम्यक सोचें सम्यक दिशा में गमन करें तभी जीवन सम्यक बन पाएगा। उन्होंने युवाओं आह्वान करते हुए कहा कि अवसाद में नही अपितु धर्म के प्रकाश में जीवन यापन करो। सकारात्मक सोच के साथ जीवन रूपी परीक्षा की कसौटी पर खरे उतरो यही सार्थकता है।

सांवलोदा धायलान मे तिरंगा रैली निकाली

शहीद पूर्णमल अमर रहे के लगे नारे

सीकर. शाबाश इंडिया। ग्राम पंचायत सांवलोदा धायलान में तिरंगा रैली निकाली गई। शहीद पूर्णमल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय साँवलोदा धायलान से शुरू होकर गांव के मुख्य चौक से होते हुए शहीद पूर्णमल स्मारक पहुंची,जहां पर शहीद की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया।शहीद की वीरांगना जीवनी देवी का ग्राम पंचायत की और से शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।इस दौरान भारत माता की जय वन्दे मातरम के नारों से आसमान गुंजायमान हो गया।इस अवसर पर सरपँच प्रतिनिधि बृजेन्द्र सिंह शेखावत, प्रधानाचार्य फिरोज खान,ग्राम विकास अधिकारी कैलाश चन्द्र वर्मा, भागीरथ नेताजी, कैप्टन रूपसिंह शेखावत,बुद्धप्रकाश जोसवाल, झाबर धायल, जीवण खां, कॉमेडियन मुकेश धायल,नरू कॉमेडियन,महेश कॉमेडियन माजीपुरा, त्रिलोक सिंह,भवानी सिंह,रघुवीर सिंह, पूर्ण सिंह, सुमेरसिंह, रणजीत धायल सहित समस्त विघालय स्टाफ, समस्त विद्यार्थी व ग्रामीण जन मौजूद रहे।

स्टेपिंग स्टोन्स इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

नन्हे मुन्ने बच्चों ने दी विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। स्थानीय स्टेपिंग स्टोन्स इंटरनेशनल प्ले स्कूल में 77वें स्वतंत्रता दिवस पर आजादी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। संस्थान के चेयरमैन ठाकुर गंगा सिंह ने कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की और स्कूल के निदेशक डॉ. सतबीर सूर्यवंशी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्यातिथि चैयरमैन ठाकुर गंगा सिंह ने मां सरस्वती की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके की। तत्पश्चात आजादी के पर्व 15 अगस्त के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम में जहां स्कूल स्टाफ ने देश भक्ति गीत गाए वहीं पर बच्चों ने विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रस्तुतियां पेश कर स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम के दौरान देश भक्ति गीत व नारों से स्कूल प्रांगण गुंज उठा। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों व स्कूल स्टाफ को संबोधित करते हुए निदेशक डॉ. सतबीर सूर्यवंशी ने कहा कि नन्हे मुन्ने बच्चों की सहभागिता के बिना स्वतंत्रता दिवस अधूरा होता है। बच्चों की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि नन्हे मुन्ने बच्चों में ऐसे कार्यक्रमों से देश भक्ति की भावना को बढ़ावा मिलता है। वहीं स्कूल प्राचार्य पूनम कंवर ने कहा कि नन्हे मुन्ने बच्चों के लिए स्वतंत्रता दिवस एक खास अवसर होता है। जब नन्हे मुन्ने बच्चे ऐसे कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं तो हमारी आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रीय पर्वों का महत्व समझाने का मौका मिलता है। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ रघुवीर सिंह, सुखवीर कौर, अंजू, पुजा रानी, मनप्रीत कौर, कोमल सहित स्कूल के समस्त बच्चे उपस्थित रहे।

प्रसिद्ध वास्तुविद् राजकुमार कोठ्यारी अखिलभारतवर्षीय तीर्थ क्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल के बने निर्विरोध अध्यक्ष

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रसिद्ध वास्तुविद् एवं अनेक जिनालयों के वास्तुकार राजकुमार कोठ्यारी को अखिल भारत वर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल के निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर जैन समाज ने बहुत-बहुत बधाई दी है। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कोठ्यारी वर्तमान में प्रसिद्ध तीर्थ बाड़ा पदमपुरा के कोषाध्यक्ष पद को सुशोभित करने के साथ ही अनेक धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी है, अनेक संस्थाओं में तन,मन, धन से अपार सहयोग देकर अक्षय पुण्य प्राप्त कर रहे हैं।गोधा ने अवगत कराया कि उक्त मनोनयन से सभी जिनालयों का विकास होगा इस खुशी में धर्म संरक्षणी महासभा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया, तीर्थ जीणोर्धार कमेटी के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष धर्म चंद पहाड़िया, मुनि सेवा समिति राजस्थान के अध्यक्ष देवप्रकाश खण्डाका, बाडा पदमपुरा के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन, महामंत्री हेमन्त सोगानी, सहित पूरी कार्यकारिणी, मुनि सुव्रत नाथ पंचायत मदनगंज किशनगढ़ के अध्यक्ष विनोद पाटनी,धर्मगुणामृत ट्रस्ट चकवाड़ा के मुख्य ट्रस्टी ताराचंद जैन स्वीटकेटर्स, अध्यक्ष अशोक अनोपडा, गुणसागर जी महाराज के संघपति विमल बडजात्या,प्रवक्ता जयकुमार गंगवाल, कोषाध्यक्ष विनोद कलवाडा, एडवोकेट विनोद जैन चकवाड़ा, सोहनलाल झंडा ,फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, सरावगी समाज फागी के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, समाजसेवी केलास कासलीवाल, तथा जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा सहित सभी पदाधिकारियों ने भविष्य की मंगलमय कामना कर बधाई प्रेषित की है।

तिरगा यात्रा पर महावीर इंटरनेशनल द्वारा पुष्पवर्षा

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। भारत के 78 वे स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य मे देश-भक्ति के दिवानो द्वारा राज्य मंत्री राजस्व उपनिवेशन व सैनिक कल्याण विभाग मंत्री विजय सिह चौधरी के सानिध्य मै आयोजित तिरंगा यात्रा पर महावीर इंटरनेशघनल संस्था परिवार द्वारा जेन स्कूल पलटन गेट पर पुष्प वर्षा कर भारतीय तिरंगे का आजादी के अमर्त महोत्सव के जश्न पर पुष्प वर्षा कर सम्मान किया। संस्था के अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल कोषाध्यक्ष वीर सुरेश जैन, वीर अशोक अजमेरा, वीर सोहनलाल वर्मा वीर सुरेन्द्र सिह दीपपुरा विकास पहाड़िया, रेवत सिह ने पुष्प वर्षा कर बहुमान किया।

रिपोर्ट: वीर सुभाष पहाड़िया

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 398 यूनिट रक्त एकत्र

जयपुर. शाबाश इंडिया। लॉयंस क्लब जयपुर मेट्रो एवं राजस्थान रोडवेज रिलीफ सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के चोमू हाऊस स्थित मुख्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में करीब 398 यूनिट रक्त जुटा। क्लब के लॉयन सुरेन्द्र जैन पांड्या ने बताया कि राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रेया गुहा एवं लॉयंस क्लब की तरफ से अध्यक्ष लॉयन अनिल जैन रिटायर्ड आइपीएस तथा लॉयन जस्टिस नरेंद्र कुमार जैन ने दीप प्रज्वलन कर शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर में 398 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। क्लब की ओर से लॉयन नेमि पाटनी तथा रोडवेज की ओर से शताराचंद जैन ने संयोजक का कार्य बखूबी निभाया गया। शिविर में क्लब की ओर से पीएमसीसी लॉयन गोविंद शर्मा, पीडीजी लॉयन गंगा शंकर गर्ग, सचिव लॉयन विमल गोलछा, कोषाध्यक्ष लॉयन अनिल जैन, लॉयन सुरेन्द्र जैन पांड्या, लॉयन रमेश सेठी, लॉयन अनिल माथुर, लॉयन एम एम वर्मा एवं रोडवेज की तरफ से कई अधिकारी उपस्थित थे।

युद्ध की आहट संपूर्ण विश्व को सहमा रही है

पहले यूक्रेन जला तो रुस भी बहुत पीछे चला गया। उसके बाद जब गाजा पट्टी में हमास और इजरायल उलझे तो मानवता और विकास दोनों का बहुत बड़ा ह्रास हुआ। वर्तमान में ईरान और इजरायल के उलझने की संभावनाएं बड़ी तीव्रता के साथ बढ़ती जा रही हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जैसे ऊपर वाले ने इस इंसान को बना कर बहुत बड़ी भूल की हो। आदिकाल से मानव लड़ता झगड़ता चला आ रहा है पहले यह पत्थरों से लड़ता था फिर धीरे-धीरे हथियारों तलवार, भाले आदि का विकास होने लगा, हथियारों के विकास ने जब उन्नति की गति पकड़ी तो बंदूक,तोप-गोले आदि का विकास होता चला गया। अब तो उससे भी कुछ आगे बढ़कर मिसाइल के साथ युद्ध हो रहा है। जो की संपूर्ण मानवता के लिए बहुत ही घातक है। विकास के चरम पर पहुंचने के बाद युद्ध लड़ने की शैली में भी परिवर्तन हुआ है। मिसाइल के साथ-साथ जैविक युद्ध और उससे भी ऊंचा परमाणु युद्ध की संभावनाएं अति प्रबलता के साथ आगे बढ़ रही हैं। किसी भी धर्म ग्रंथ में यह नहीं कहा गया की आप हिंसा का मार्ग अपनाओ, युद्ध की ओर अग्रसर हो,एक दूसरे का संहार करो, तो फिर मानव में इन गुणों का विकास क्यों हुआ? क्यों मानव एक दूसरे के खून का प्यासा नजर आता है? क्यों एक दूसरे पर राज करने की परिणति का विकास हो रहा है? खैर प्रश्न विचारणीय है किंतु जवाब शायद शून्य है। इस शून्यता में भी यदि थोड़ा सा भी मंथन करें तो यह बात जरूर जहन में आएगी क्या युद्ध से कभी किसी का भला हुआ है? क्या युद्ध से विकास संभव हुआ है? क्या युद्ध के दौरान किसी भी देश ने उन्नति की है? युद्ध हमेशा विनाश करता है और भविष्य के लिए दुखों का सागर छोड़ जाता है। एक ऐसी पीड़ा पीछे रह जाती है जिसे आने वाली पीढियों को भी भुगतना पड़ता है खैर ऊपर वाला सद्बुद्धि प्रदान करें विश्व शांति की ओर अग्रसर हो यही हमारी भावना है।

संजय जैन बड़जात्या कामां

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

मनुष्य की हर स्वांस उसे मृत्यु की तरफ ले जा रही है..
और वह सोच--समझ रहा है कि मैं जी रहा हूँ..!
मै मानता हूँ --
जिन्दा रहने के लिये भोजन जरूरी है।
भोजन से भी ज्यादा पानी जरूरी है।
पानी से भी ज्यादा वायु जरूरी है।
वायु से भी ज्यादा आयु जरूरी है।
लेकिन मरने के लिये कुछ भी जरूरी नहीं है।
स्वांस रूकी और खेल खतम।

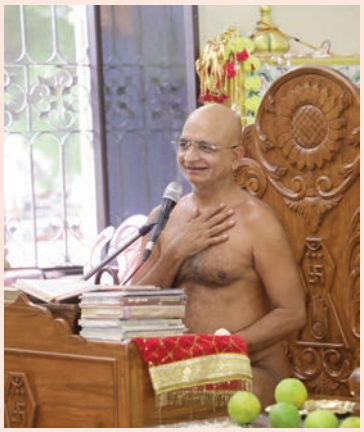

इसलिए सही समय पर भोजन शरीर के लिए जितना फायदेमंद है, गलत समय पर भोजन करना उतना ही नुकसान दायक। खासकर देर रात तक भोजन करने से शरीर में कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। दिन में जब सही समय पर भोजन किया जाता है, तो शरीर भोजन को तेजी से पचाता है। ऐसे में फैट- लिपिड और कोलेस्ट्रॉल आदि को लीवर मांसपेशिया और अन्य टिशू आसानी से अवशोषित कर लेते हैं। वहीं ऐसा नहीं होने पर मोटापा अपच याददाश्त प्रभावित होने जैसी कई बीमारियाँ होने का खतरा बढ़ता है। मैं मानता हूँ कि -- भोजन का जीवन से गहरा सम्बन्ध है। जैसा भोजन, वैसा भजन। जैसा आहार, वैसा विचार। जैसा पानी, वैसी वाणी। जैसी रोटी, वैसी बेटी। जैसा खानपान, वैसा खानदान। इसलिए भोजन सोच समझ के करो। जब भोजन करो तो यह सोचकर करो कि मैं अपने भीतर बैठे परमात्मा को अर्घ अर्पण कर रहा हूँ। तो फिर आप रात को नहीं खा सकते। शराब नहीं पी सकते। गुटखा, तम्बाकू नहीं खा सकते। क्योंकि ये परमात्मा स्वीकार नहीं करता। ना हम परमात्मा को चढ़ाते हैं ..। नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

भगवान महावीर ने दिया प्रत्येक जीव को स्वतंत्रता का अधिकारः आचार्य श्री सुंदरसागर महाराज

स्वाधीनता दिवस पर सुपार्श्वनाथ सर्किल पर ध्वजारोहण एवं पार्क में एक शाम राष्ट्र के नाम प्रोग्राम आयोजन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। शस्त्र काटता है तो शास्त्र जोड़ता है। शस्त्र अधर्म तो शास्त्र धर्म लाता है। जिनशासन प्रेम से रहना सीखाता है। भगवान महावीर ने प्रत्येक जीव को स्वतंत्र रहने का उपदेश देने के साथ इसका अधिकार भी प्रदान किया। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक (वर्षायोग) प्रवचन के तहत बुधवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कषाय परिणाम बदले अंदर खतरा पैदा कर देते है। एक बार कषाय निकाल दिए तो गुणस्थान 12वां हो जाएगा। कषाय संत के संयम का नाश नहीं करती लेकिन उसे केवली होने से रोक देती है। हम गुरू के दिल में बस जाएंगे तो भगवान बन जाएंगे ओर आत्मा भी शुद्ध पर्याय प्रकट हो जाएगी। इससे पूर्व प्रवचन में क्षुल्लिका सुपथ्यमति माताजी ने कहा कि जीवन का सत्य यहीं है कि जिंदगी कभी खुशहाल तो कभी उदास होती है। कभी जीत तो कभी हार मिलती है।

हम अपने कर्मो का आवरण हटा शुद्ध करके जीवन का कल्याण कर सकते है। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि स्वाधीनता दिवस के अवसर पर गुरूवार सुबह 8 बजे आचार्य सुंदरसागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य में सुपार्श्वनाथ सर्किल पर ध्वजारोहण किया जाएगा। शाम 7.30 बजे से आचार्यश्री ससंघ के सानिध्य में सुपार्श्वनाथ पार्क में भजन संध्या ''एक शाम राष्ट्र के नाम'' का आयोजन होगा।

जैन सोशल ग्रुप सेंट्रल संस्था का रजत जयंती समारोह

अंगदान-देहदान-त्वचा दान-नेत्रदान जागृति संगोष्ठी 17 अगस्त व देहदानी परिवारों का सम्मान 18 अगस्त को

जयपुर. शाबाश इंडिया। देहदान- नेत्रदान- त्वचा दान व रक्तदान के क्षेत्र में गत 31 वर्षों से कार्य कर रही जैन सोश्यल ग्रुप सेंट्रल संस्था के रजत जयंती समारोह के अवसर पर आगामी 17 अगस्त को अंगदान- देहदान- त्वचा दान - नेत्रदान जागृति संगोष्ठी राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में और 18 को बिरला ऑडिटोरियम में देहदानी परिवारों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष संचेती ने बताया कि जेएसजी ग्रुप सेन्ट्रल 17 अगस्त को राजस्थान इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में दधीचि देहदान समिति दिल्ली के साथ मिलकर अंगदान- देहदान- त्वचा दान - नेत्रदान जागृति संगोष्ठी का आयोजन करेंगी। संगोष्ठी में देशभर से जुटे अतिथि व वक्ता अंगदान- देहदान- त्वचा दान - नेत्रदान के प्रति आमजन में कैसे जागरूकता लाई जाएं,इस पर मंथन कर आगामी रूपरेखा तैयार करेंगे। उन्होंने बताया कि पूरे भारतवर्ष में जो संस्थाएं अंगदान, नेत्रदान- त्वचा दान व रक्तदान क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है,उनके साथ 16-17 अगस्त को एक कॉन्क्लेव का भी आयोजन किया जाएगा। ग्रुप के अध्यक्ष संजय सिंह बैद,सचिव सीए गुंजन छाजेड़ ने बताया कि अगले दिन 18 को बिड़ला ऑडिटोरियम में देहदानी परिवारों का सम्मान समारोह आयोजित होगा। इस मौके पर 253 देहदानी परिवार एवं 22 त्वचादानी परिवारों का सम्मान किया जाएगा। संस्था के प्रयास से अब तक 253 देहदान विभिन्न मेडिकल कॉलेज में, 22 त्वचा दान एमएमएस मेडिकल कॉलेज में, 3300 से अधिक नेत्रदान एसएम एस हॉस्पिटल व राजस्थान आई बैंक सोसायटी को करवाए जा चुके हैं,साथ ही 15 हजार से अधिक रक्तदान भी विभिन्न शिविरों के माध्यम से संस्था के सौजन्य से करवाए गए हैं। कोर्डिनेटर सीए अषोक कुमार जैन हरकावत व सुधेंद्र चोरडिया ने बताया कि इस आयोजन में उप राष्ट्रपति जगदीप धनकड़, राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी व डॉ.प्रेमचंद बैरवा, विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी,केन्द्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा,विश्व हिन्दु परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार, आयुष मंत्रालय दिल्ली के संयुक्त निदेशक विक्रम पगारिया, राजस्थान की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह सहित केन्द्र व राज्य सरकार के मंत्री, सामाजिक, चिकित्सा संस्थानों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

आम्र पल्लव,फूल मखाने, मिर्च करून्दा से हो रहा ठाकुरजी का अलग-अलग तरह से श्रृंगार

श्री दूदाधारी गोपाल मंदिर में मनाया जा रहा झूलनोत्सव, रक्षाबंधन के बाद हर दिन सजेगी अलग-अलग रंग की झांकिया

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। धर्मनगरी भीलवाड़ा के लाखों भक्तों की आस्था के प्रमुख केन्द्र सांगानेरी गेट स्थित श्री दूदाधारी गोपाल मंदिर में जगद्गुरू श्री निम्बाकार्चार्य पीठाधीश्वर श्री श्यामशरण देवाचार्यश्री ''श्रीजी'' महाराज के निर्देशानुसार श्रावणी तीज(छोटी तीज) से ठाकुरजी की सेवा में मनाए जा रहे झुलनोत्सव के तहत प्रतिदिन ठाकुरजी के अलग-अलग तरह का आकर्षक श्रृंगार हो रहा है। ठाकुरजी को भक्तों के जयकारों के बीच झूला झुलाया जा रहा है। मंदिर के पुजारी कल्याणमल शर्मा ने बताया कि झूलनोत्सव के तहत मंगलवार रात फूल मखाने से सजावट की गई। इसी तरह सोमवार को मिर्च,करून्दा व अदरक से सजावट की गई थी। इससे पहले आम्रकुंज,आम्र पल्लव आदि से भी सजावट की गई थी। पुजारी भक्तों के जयकारों के बीच ठाकुरजी को

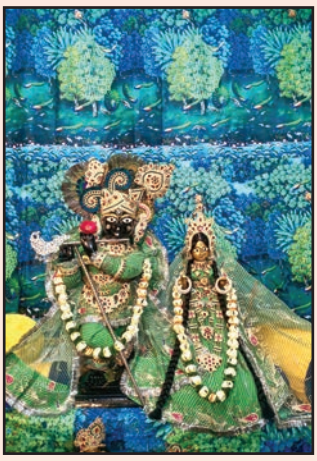

झुला झुलाते रहे। छोटी तीज से शुरू 22 दिवसीय झुलनोत्सव जन्माष्टमी के अगले दिन नंदोत्सव तक चलेगा। रक्षाबंधन तक प्रतिदिन अलग-अलग तरह से ठाकुरजी की सेवा में झुले सजाए जाएंगे। इनमें सब्जी,फल, मेवा,मिठाई आदि के झुले भी सजाए जाएंगे। झुलनोत्सव की सजावट के लिए वृन्दावन से मोगरा व गेंदा के साथ लटकन आदि मंगाई गई है। रक्षाबंधन से जन्माष्टमी तक प्रतिदिन अलग-अलग तरह की झांकियां सजाई जाएगी। झुलनोत्सव के तहत प्रतिदिन शाम 7.30 से रात 9.30 बजे तक ठाकुरजी के झुले के दर्शन भक्तगण कर पा रहे है। दर्शनों के लिए प्रतिदिन शहर के विभिन्न क्षेत्रों से भक्तगण पहुंच रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय समारोह नई दिल्ली में सम्मानित होंगे जयपुर के राजवंश पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल के छात्र अंकित बडेतिया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के टोंक फाटक स्थित राजवंश पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल की कक्षा 12 के छात्र एवं विद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस के स्वयं सेवक अंकित बडेतिया का 15 अगस्त को लाल किला नई दिल्ली में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय स्तरीय समारोह में विशेष अतिथि के रूप में सम्मानित किया जाएगा। स्कूल के प्राचार्य नवल जैन ने बताया कि अंकित बडेतिया ने विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस की विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करते हुए सहयोग दिया एवं विद्यालय में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत अमृत वाटिका निर्माण व स्वामी विवेकानन्दजी प्रतिमा अनावरण पर उत्कृष्ट सेवा कार्य किया, जिससे स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय समारोह नई दिल्ली में विशेष अतिथि के रूप में सम्मानित करने के लिए चयनित किया गया। खास बात यह है कि एनएसएस योजना के तहत जयपुर से सिर्फ राजवंश पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल के छात्र का इस कार्यक्रम में चयन किया गया है। इसके साथ ही इस कार्यक्रम में राजस्थान की एक मात्र महिला व्याख्याता कविता शेखावत का चयन हुआ है। कविता शेखावत जोधपुर के एक बालिका सीनियर सैकण्डरी स्कूल में व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं। राजवंश पब्लिक स्कूल के छात्र अंकित बडेतिया 13 अगस्त को दिल्ली में रिपोर्टिंग करेंगे, जिसके बाद वे वहाँ होने वाले कार्यक्रम में शरीक होंगे। ज्ञातव्य है कि राज्य सरकार ने राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत प्रदेश के सभी राजकीय व निजी स्कूलों में अमृत वाटिका बनाने के निर्देश दिए थे। इसके तहत हर स्कूल को 75 पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल भी करनी थी। जिसमें जयपुर के राजवंश पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल के एनएसएस प्रोग्राम अधिकारी जितेन्द्र शर्मा ने छात्र-छात्राओं के साथ मिलकर गमले और पौधे लगाए, जो आज हरे भरे हैं। इसके अलावा स्कूल में स्वच्छता अभियान, साफ सफाई आदि कार्यक्रमों में भी सक्रिय भागीदारी निभाई। इन कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाले इस स्कूल के छात्र अंकित बडेतिया का चयन किया गया है। इनके आदेश निदेशक माध्यमिक शिक्षा कार्यालय की उपनिदेशक प्रशासन एवं कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना इंद्रा चौधरी ने किए हैं। इस मौके पर राजवंश पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल की प्रबन्धक श्रीमती सीता चौहान ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के लिए स्वाधीनता दिवस के मुख्य समारोह में विशेष अतिथि होना गर्व की बात है। विभाग ने एनएसएस में किए गए सेवा कार्यों पर जयपुर से एकमात्र राजवंश पब्लिक स्कूल के छात्र का चयन किया, इससे बड़ी बात क्या हो सकती है। जिन स्कूल में एनएसएस योजना चलती है सिर्फ उन्हीं स्कूलों के बालक-बालिकाओं का चयन दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस पर होने वाले मुख्य समारोह में विशेष अतिथि के लिए होता है। इसमें 5 बालिकाओं व 5 बालक और एक प्रोग्राम अधिकारी का चयन होता है। छात्र वर्ग में जयपुर के बरकत नगर स्थित राजवंश पब्लिक स्कूल के अंकित बडेतिया, सुरा नारपाटन बाड़मेर के महेन्द्र सिंह, झुंझनूं के सुमित कुमार, परबतसर नागौर के योगेन्द्र सिंह व आमेट राजसमंद के दीपक शर्मा एवं बालिका वर्ग में जोधपुर की अर्शा, शिवसिंगनापुरा सीकर की दिव्या सारस्वत, काहिरताल तिजारा की सिमरन, टिब्बी हनुमानगढ़ की वीरपाल कौर, नोहर हनुमानगढ़ की खुशबू विशेष अतिथि होंगे। तहत प्रदेश के सभी राजकीय व निजी अंकित बडेतिया के स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय समारोह में चयन होने पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सुनील सिंघल, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार गुप्ता, विद्यालय की प्रबन्धक श्रीमती सीता चौहान, विद्यालय सचिव आकांक्षा चौहान और अनिमेष चौहान ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए छात्र अंकित बडेतिया को बधाई दी। राष्ट्रीय सेवा योजना की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजवंश पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल इकाई ने राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य समन्वयक/उपनिदेशक (प्रशासन) माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर इंदिरा चौधरी एवं पूर्व राज्य प्रभारी (एनएसएस) आशीष समावत का हृदय से आभार प्रकट किया।

जयपुर की सुश्री संजना जैन ने फैशन डिजाइन में कैलीफोर्निया अमेरिका में जीता स्वर्ण पदक

जयपुर. शाबाश इंडिया

अनिल जैन रिटायर आईपीएस अध्यक्ष महासमिति राजस्थान आंचल ने बताया कि अमेरिका में इंडियाना राज्य के कार्मल हाई स्कूल की कक्षा 12 की छात्र जो दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री बापू नगर निवासी डॉक्टर राजेंद्र कुमार उर्मिला जैन की सुपुत्री सुश्री संजना जैन ने फैमिली करियर और कम्युनिटी लीडर्स ऑफ अमेरिका नेशनल लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में फैशन स्टार श्रेणी में उस में प्रथम स्थान पर रहकर स्वर्ण पदक जीता। सुश्री संजना जैन ने भारतीय अमेरिकी दोनों संस्कृति की विशेषताओं को शामिल करके एक स्कारलेट रोज 3 पीस लहंगा दुल्हन का एक परिधान डिजाइन कर विकसित किया जिसमें राजस्थानी परंपरा के कपड़ों की भी झलक स्पष्ट झलक रही थी। स्वर्ण पदक के अलावा फैशन इंस्टीट्यूट आफ डिजाइन में पूरे साल की फेलोशिप भी प्राप्त की है।

महावीर पब्लिक स्कूल में लहराए तिरंगे

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत अपनी आजादी की 78वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस उपलक्ष्य में संपूर्ण भारत में ₹आजादी का अमृत महोत्सव₹ मनाया जा रहा है। आजादी की इस खुशी का हिस्सा बनते हुए ₹हर घर तिरंगा₹ अभियान के अंतर्गत महावीर पब्लिक स्कूल, सी-स्कीम, जयपुर में दिनांक 14 अगस्त को विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। जिसके अंतर्गत कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों के लिए विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने तिरंगे के रंगों वाली वेशभूषा पहनकर गायन, वादन, कविता,नाटक आदि के माध्यम से देशभक्ति के प्रति उत्साह दिखाया। विद्यालय प्रांगण में कक्षा 1 से लेकर 12 तक के छात्रों तथा अध्यापक-गणों ने हाथ में तिरंगा लिए देश भक्ति से युक्त गानों पर झूमकर तथा तिरंगा फहरा कर संपूर्ण वातावरण को देशभक्ति की भावना से युक्त कर दिया। तत्पश्चात विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल संघी, उपाध्यक्ष मुकुल कटारिया, संयोजक सुदीप ठोलिया, कार्यकारिणी सदस्य विनोद कोटखावदा एवं प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने हरी झंडी दिखाकर कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों को प्रभात फेरी के लिए रवाना किया। सभी बच्चों ने हाथ में तिरंगे लेकर तथा विद्यालय परिसर के चारों ओर चक्कर लगाकर 'वंदे मातरम' 'भारत माता की जय' आदि नारे लगाकर चहुं ओर देश भक्ति की भावना प्रसारित की। बच्चों के साथ-साथ संस्था-सदस्यों, प्राचार्या तथा अध्यापक गणों में भी देशभक्ति के प्रति भरपूर उत्साह दिखाई दिया। आजादी का यह महोत्सव मनाने मैं छोटे-छोटे बच्चे भी पीछे नहीं रहे। प्री प्राइमरी,प्राइमरी तथा मिडिल कक्षाओं के बच्चों द्वारा फैंसी ड्रेस पहनकर रैंप वॉक, फ्लैग मेकिंग, देश भक्ति से युक्त गीत, कविता,पोस्टर मेकिंग, फेस पेंटिंग, भाषण आदि कई गतिविधियां आयोजित की गईं।

पावस ऋतु पर आनलाइन काव्य गोष्ठी संजय एम तराणेकर की अध्यक्षता व डॉ मनीष दवे के संचालन में सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

''मंथन साहित्यिक परिवार'' द्वारा पावस काव्य गोष्ठी डॉ टी महादेव राव विशाखापट्टनम की विशिष्ट उपस्थिति,संजय एम तराणेकर इंदौर की अध्यक्षता, कमल किशोर राठौर निवृत्त प्राचार्य सेंधवा के मुख्य आतिथ्य, डॉ मनीष दवे इंदौर के संचालन तथा बच्चू लाल दीक्षित के संयोजकत्व में संपन्न हुई। सुभाष चंद्र शर्मा जयपुर द्वारा सरस्वती वंदना, प्रोफेसर राम पंचभाई यवतमाल महाराष्ट्र की मराठी में गणेश वंदना के साथ कवियों की अभिव्यक्ति का सिलसिला प्रारंभ हुआ। प्रथमतः गिरीश पाण्डेय काशी ने शिव स्तुति के साथ गजल ''फिर से बेदर्द आज आया सावन, याद उनकी दिला गया सावन'' की गर्जना के साथ कार्यक्रम का आगाज किया। महेश गुप्ता राही ने 'प्रेम को पुकारते रहो' इंजीनियर खंडेलवाल ने 'रिमझिम रिमझिम बरसा पानी, छतरी में हो गई कहानी' गीता उनियाल उत्तराखंड ने 'सावन में झूलों की लगी है कतार' 'पी पी की पुकार,आई बागों में बहार' डॉ महेंद्र भट्ट ग्वालियर ने 'मुझे फूल समझने की गलती ना करना मैं हरियाली सावन हूं' राजेन्द्र चौहान, बड़ौदा ने 'रिमझिम रिमझिम मेघा बरसे' सस्वर गीत प्रस्तुत किया जिसे खूब सराहा गया। डॉ टी महादेव राव विशाखापट्टनम ने अमृत गागर पा लिया बूंदों में समाहित प्रेम तुम्हारा मेघा अंजुरी भर पा लिया... यह पाषाण सा जीवन स्वांति मोतियों से तुमने सारे नभ को सजा दिया पढ़ कर दार्शनिक दृश्य प्रस्तुत किया। मो.सलीम ने 'बर्बादियों का कोई हल नहीं मिला', 'लाखों मिले बारात पर वर नहीं मिला' गजल प्रस्तुत की। अध्यक्षता कर रहें संजय एम तराणेकर ने अपने उदबोधन में कार्यक्रम की समीक्षा के साथ 'बरस

जाओ झमा झम कब तक तरसाओगे मेघराज' शब्दों के साथ पावस ऋतु का अनुपम चित्रण किया। साथ ही उन्होंने गिरीश पांडे जी से प्रेरणा लेकर 'ये बारिशो का मौसम...' की कार्यक्रम के चलते रचना कर डाली। जिसे सभी कवियों ने सराहा।कार्यक्रम के प्रणेता प्रोफेसर राम पंचभाई यवतमाल महाराष्ट्र ने अतिशय बारिश का चित्रण इन पंक्तियों के साथ किया बाढ़ में बदल जाती है जिंदगी, पानी सी बह जाती है तब कविता गीत रुबाइयां जन्म लेने से पहले ही मर जाती हैं।

तिरंगा

है तो बस तीन रंग का,
फिर भी इसी से पहचान मेरी है।
यह झुकने न पाएगा,
कभी किसी दुश्मन के आगे,
आखिर यही तो आन मेरी है।
देखते ही इसको,उठते हैं
इस पर कुर्बान होने के जज्बे,
आखिर यही तो जान मेरी है।
चूमेगा गगन को यह सदा,
हर भारतीय की
आखिर ख्वाहिश यही तो है।
लहरा दो घर-घर में तिरंगे को
आखिर यही तो शान मेरी है।

स्वरचित
रचना शर्मा

देश के 78 वें स्वतंत्रता दिवस पर अमर शहीदों की पावन रज...

इंजिनियर अरुण कुमार जैन

देश गुलामी में था जब, तब उनने कदम बढ़ाए थे.
कोटि जनों को राहत देने, कांटों में बिंध आए थे.
सही यातना, हंटर खाये,जेलों में भी पड़े रहे,
घावों पर भी मिर्च लगी पर, माँ सेवा से नहीं डिगे.
काला पानी सजा नारकी, गर्मी- सर्दी पीर सही,
प्राणों का बलिदान किया, व मातृभूमि पर अमर हुऐ
मां,बहिना,बाबा को छोड़ा, नव विवाहिता छोड़ गए,
थी स्वतंत्रता उनको प्यारी, बच्चों से मुख मोड़ गए.
भगत सिंह,चंद्रशेखर जी, लाल, बाल व पाल वे थे,
सुखदेव, सावरकर जी, नेता सुभाष से लाल वे थे.
जलियांवाला उनने देखा, नोआखाली था बंगाल,
बोटी -बोटी देश को दे दी, नहीं झुका वीरों का भाल.
आजादी की खुली सांस है, रोटी, कपड़ा व घर है,
बिजली पानी और दवाई, जीवन कितना सुखमय है.
रोड है अच्छी, ट्रेन सहज है, बच्चे अब तो पढ़ते हैं.
मोबाइल, गाड़ी संग सबके, पल-पल आगे बढ़ते हैं.
कर्तव्य पालन भी करना है, सतत प्रगति का मूल है जो.
ईमानदारी, सतत परिश्रम,
श्रेष्ठ चरित्र रत्न हैं ये.
बुरे व्यसन, मद, यौनचार,इनका शिकार ना कोई हो.
हर नारी में मां बहना , व नर में भाई, सुत,तात छवि हो.
खेतों में सोना उपजायें,दुग्ध क्रांति हर घर में हो,
वैज्ञानिक, सैनिक, शिक्षक, डॉक्टर,अफसर कर्मठ हो.
धर्म कर्म पर निष्ठा रखें, सेवा समर्पण भी आये,
वर्ग,वर्ण सब मिटें यहां से, बस मानवता रह जाये.
बम, बंदूके और मिसाइल, सीमा की रक्षा को हों,
आतंकवाद समूल नष्ट हो, हर मन नव किलकारी हो.
अमर शहीदों की पावन रज, नित ललाट का चंदन हो,
उनके पद को हम अपनायें माँ भारत का वंदन हो।

अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद, हरियाणा

शिवालय में सहस्त्र जलधारा सम्पन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। श्रावण मास के अंदर जहां इन दिनों नगर के शिवालयों में सहस्त्र जलधारा का सिलसिला चल रहा है वहीं बुधवार को भी नगर के पलसानिया रोड महादेव मोहल्ला स्थित प्राचीन जागेश्वर महादेव मंदिर में बम भोले के नारों के व भगवान शिव के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का दुग्धाभिषेक व जलाभिषेक किया। इसी प्रकार न्यायालय परिसर स्थित न्यायेश्वर महादेव मंदिर स्थित शिवालय में सहस्त्र जलधारा सम्पन्न हुई। नगर के अधिवक्ताओं सहित पक्षकारों व अन्य श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार व भगवान शिव के जयकारों के बीच भगवान शिव का जलाभिषेक किया। सायं दोनों शिवालयों में शिव परिवार का श्रंगार कर महाआरती की गई।

सम्यग्दर्शन है तो सम्यग्ज्ञान, सम्यक चारित्र हो जाता है : मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने सम्यक चारित्र पर प्रवचन करते हुए बताया कि सम्यग्दर्शन है तो सम्यग्ज्ञान, सम्यक चारित्र हो जाता है । समन्तभद्र आचार्य के अनुसार चारित्र दो प्रकार का है, मुनियों के लिए सकल चारित्र और श्रावकों के लिए विकल चारित्र अर्थात एक देश चरित्र है।श्रावाक पांच अणुव्रत तीन दिग्व्रत और चार शिक्षा व्रत कुल 12 व्रत एक देश चारित्र का पालन करते है। मुनि पांच महाव्रत, पांच समिति और तीन गुप्ति इस प्रकार तेरह प्रकार का चारित्र का पालन करते हैं। मुनि पांच महाव्रत, पांच समिति, पांच इन्द्रिय विजय, 6 आवश्यक 7 शेष गुण इस प्रकार 28 मूल गुण का पालन करते हैं। सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान, सम्यक चारित्र ही मोक्ष का मार्ग है। श्रावको को बारह व्रत का पालन कर परिणामों में सरलता रखनी चाहिए, यही उनका एक देश चारित्र है।ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ ने बताया कि प्रवचन के शुभारंभ में दीप प्रज्वलन, रमेश अजमेरा, अरविन्द काला ने, मंगलाचरण महावीर प्रसाद बाकलीवाल ने किया। पंडित अजित जैन ने जिनवाणी स्तुति की। सभी ने आचार्य श्री व मुनि श्री को अर्घ्य समर्पित कियो ट्रस्ट के मंत्री राजेन्द्र काला ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में आयोजित पांच दिवसीय अर्हं स्वात्म साधना शिविर में शिविरार्थियों ने की आत्म साधना

मीरामार्ग के आदिनाथ भवन में सजी सम्मेद शिखर जी की झांकी देखने उमड़े श्रद्धालु, स्वतंत्रता दिवस पर झण्डारोहण के बाद होगा विशेष प्रवचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में आयोजित पांच दिवसीय अर्हं स्वात्म साधना शिविर के दूसरे दिन बुधवार को शिविरार्थियों ने मौन रहकर आत्म साधना करते हुए स्व कल्याण की क्रियाएं की। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि शिविरार्थी पांच दिनों तक बाहरी सांसारिक गतिविधियों से दूर रहेगें। वे बिना मोबाईल के बिल्कुल मौन रहकर आत्म साधना कर रहे हैं। कार्यकारिणी सदस्य अरुण जैन एवं अशोक छाबड़ा ने बताया कि इस शिविर में क्षणिक और सदैव व्यस्त जीवन एवं क्षण भंगुरता में कुछ क्षण स्वयं के लिए निकालने के उपाय बताएं जाएगें। मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में लगाई गई शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी की सजीव रचना की झांकी को देखने के लिए बुधवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उमड़े। अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया जिसमें जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के पूर्व भव का वर्णन किया। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात समाजश्रेष्ठी प्रेम - प्रमिला, श्रेयांस - निधि, ऋषि - सुरभि, तवीशा, नाईसा, रिजवी, कृशिव जैन कोलकाता परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन किया। समिति के विजय जैन एवं अशोक गोधा ने बताया कि इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में युवा समाजसेवी प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, दर्शन बाकलीवाल, सुभाष बज, सुधीर कासलीवाल ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अतिथियों को सुनील बैनाडा, राजेश काला ने प्रतीक चिह्न भेट किया। समिति के सुनील बैनाडा ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में गुरुवार, 15 अगस्त को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर झण्डारोहण के बाद आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के स्वतंत्रता दिवस पर विशेष प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

समस्या के तीन समाधान : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, टोंक. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी जिला - टोंक (राज.) में ससंघ साधनारत प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी आस - पास के सभी क्षेत्रों में धर्म की महती प्रभावना कर रही है। निवाई, चाकसू, जयपुर आदि स्थानों से भक्तगण भक्ति करने पहुंच रहे हैं। माताजी ससंघ की आहारचर्या करवाने का सौभाग्य पारस जी चैनपुरा वाले , धर्मचंद जी कल्याण नगर जयपुर वाले एवं व्रती आश्रम के व्रतियों ने प्राप्त किया। माताजी के ससंघ सान्निध्य में अभिषेक , शांतिधारा करने के लिए यात्री दूर - दूर से पहुंच रहे हैं। भगवान श्री शांतिनाथ के देवकृत अतिशय के पश्चात भक्तों की भीड़ प्रभु व गुरु माँ के दर्शनार्थ पहुंच रही थी। पूज्य माताजी ने सभी को संबोधन करते हुए कहा कि - समस्याएं हमारे जीवन में बिना किसी वजह के आती है । उनका आना इशारा है कि हमें अपने जीवन में कुछ बदलना है । जीवन में हर समस्या के अंदर उपहार अवश्य होता है । इसलिए कभी समस्या का सामना भी करना पड़े तो निराश नहीं होना क्या पता जो अंत हमने अपेक्षित किया हो , अंत उससे भी अधिक सुंदर हो । हर समस्या के तीन समाधान होते हैं - स्वीकार करें , बदल दें या छोड़ दें । अगर स्वीकार नहीं कर सकते तो बदल दें और अगर बदल नहीं सकते तो बेहतर है इसे ईश्वर पर छोड़ दें ।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की मासिक मीटिंग संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा अपनी मासिक मीटिंग का आयोजन महावीर नगर स्थित णमोकार रेस्टोरेंट में किया गया। उक्त मीटिंग में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के निदेर्शानुसार मित्रता दिवस, व रक्षा बंधन पर्व सेलिब्रेट किया गया। क्लब अध्यक्ष सुमित्रा गोलियां द्वारा सभी सदस्यों को फ्रेंडशिप बेंड उपहार स्वरूप दिए गए व राखी का वितरण भी किया गया ।मीटिंग का मुख्य आकर्षण लहरिया उत्सव रहा। मीटिंग में क्लब की लगभग सभी सदस्याओं की उपस्थिति, पारंपरिक परिधान रंग बिरंगे लहरिया में हुई। सचिव द्वारा जुलाई माह में किये गए सेवा कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया गया। जोन चेयरपर्सन द्वारा 27 व 28 जुलाई को आयोजित संकल्प समारोह की गतिविधियों को सभी सदस्याओं के समक्ष रखा गया। व पूरे वर्ष जोश व उमंग के साथ सेवा कार्य करने के लिए प्रेरित किया ।लजीज भोजन के साथ मीटिंग का समापन हुआ।

अर्हं ध्यान योग
ARHAM
CORPORATE RETREAT
Leverage that hard-earned weekend
to embark on a unique exploration
30 August 2024 to
01 September 2024
Meera Marg, Mansarovar,
Jaipur, Rajasthan
+91 93149 16778,
+91 99966 25291
Register Here -
https://bit.ly/ekoham24
SCAN HERE
आयोजक – सकल दिगम्बर जैन समाज जयपुर, राजस्थान
To stay connected with Arham Dhyan Yog: www.arham.yoga | 8920491008 | Arham Dhyan Yog

जोधपुर में टूरिज्म व नाइट टूरिज्म की अपार संभावनाये हैं: दिया कुमारी

बारिश में उपमुख्यमंत्री ने किया ऐतिहासिक घंटाघर का निरीक्षण, वीर दुर्गादास राठौड़ ब्रिज के पास पौधारोपण कर दिया अधिकाधिक पौधे लगाने का दिया संदेश

जोधपुर. कासं

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि जोधपुर में टूरिज्म व नाइट टूरिज्म की बहुत अच्छी संभावनाएं है। जिन्हे तराश कर पर्यटन विभाग द्वारा और अधिक निखारे जाने का कार्य किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री बुधवार को जोधपुर में ऐतिहासिक घंटाघर के निरीक्षण के दौरान बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि जोधपुर पर्यटन की दृष्टि से देश विदेश में अलग स्थान रखता है। इस ओर सकारात्मक प्रयास कर पर्यटन को अधिक बढ़ावा देने के हरसंभव प्रयास किये जाएंगे। इसी के तहत घंटाघर में हैरिटेज प्रोजेक्ट एम्पिरियंस योजना के तहत निरीक्षण कर अधिकारियो को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निदेशक, पर्यटन विभाग रश्मि शर्मा व संयुक्त निदेशक पर्यटन विभाग भानु प्रताप सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री ने भगत की कोठी रोड पर पौधारोपण कर अधिकाधिक पौधारोपण करने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 'हरियालो राजस्थान' कार्यक्रम के तहत अधिकाधिक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के पुनीत कार्य में हम सभी को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। वहीं उन्होंने पौधारोपण कर उसकी देखभाल करने वाले व्यक्तियों को 'एक पेड़ मां के नाम' सर्टिफिकेट प्रदान कर बधाई दी। इस अवसर पर शहर विधायक अतुल भंसाली भी साथ थे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विभाजन की विभीषिका चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को उत्तर पश्चिम रेलवे व केंद्रीय संचार ब्यूरो सूचना प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से आयोजित विभाजन की विभीषिका चित्र प्रदर्शनी का समापन समारोह में अवलोकन किया। प्रदर्शनी का अवलोकन कर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि विभाजन में लोगों को मातृभूमि को छोड़ना पड़ा, वह समय भूलने वाला नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी को इतिहास को जानना होगा। विभिन्न स्थानों पर लगी इस प्रदर्शनी को अधिक से अधिक लोग देखें और इतिहास को समझें और जाने। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी जी ने कहा सभी हर घर तिरंगा के अंतर्गत अपने घर पर तिरंगा लगाएं। इस अवसर पर केंद्रीय संचार ब्यूरो प्रादेशिक कार्यालय जयपुर के पंजीकृत दल बंसीलाल खिलाड़ी एंड पार्टी डेगाना नागौर ने हम एक हैं हम एक रहेंगे देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी। भारत स्काउट एंड गाइड के छात्र-छात्राओं ने विभाजन की विभीषिका पर चित्र के माध्यम से बताई गयी जानकारी को युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। इस अवसर पर जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली, महापौर जोधपुर दक्षिण सुवनिता सेठ व अन्य जनप्रतिनिधियों सहित जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक पंकज कुमार सिंह, सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ अरविंद कुमार, समाजसेवी देवेंद्र सालेचा, वरिष्ठ जनसंपर्क निरीक्षक पुरुषोत्तम परवाल पत्र सूचना कार्यालय के आशीष वर्मा, केंद्रीय संचार ब्यूरो के के आर सोनी व रेलवे के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने जैसलमेर में बीएसएफ चौकी का किया दौरा

सीमा पर मुस्तैदी से अपना कर्तव्य निभाते हैं हमारे जवान, उनके कारण ही देश में अमन-चैन कायम: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जैसलमेर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे जवानों द्वारा सीमा पर मुस्तैदी से की जा रही चौकसी के कारण ही देश की जनता सुरक्षित है और देश में अमन-चैन कायम है। उन्होंने कहां कि सीमा सुरक्षा बल के जवान राष्ट्र के हर व्यक्ति के लिए वंदनीय है। शर्मा बुधवार को जैसलमेर में भारत-पाक सीमा पर स्थित बाबलियानवाला चौकी पर तैनात बीएसएफ के जवानों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने जवानों के पुरुषार्थ की प्रशंसा करते हुए कहा कि कड़ी धूप में जहां आम व्यक्ति के लिए कुछ मिनट भी खड़े रहना मुश्किल होता है, वहीं हमारे जांबाज सीमा प्रहरी राष्ट्रभक्ति के भाव से सीमा पर मुस्तैदी से चौकसी करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जवानों के बीच आकर उन्हें नई ऊर्जा का अहसास हो रहा है और ये पल उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सदैव सीमा सुरक्षा बल के साथ है और सरकार की ओर से उन्हें हर संभव सुविधाएं और सहायता उपलब्ध करवायी जाएंगी। इस दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने बाबलियानवाला सीमा चौकी का दौरा किया एवं दूरबीन से सीमा का अवलोकन किया। उन्होंने जवानों एवं अधिकारियों से भी मुलाकात की और उन्हें स्वाधीनता दिवस की बधाई देते हुए मिठाई वितरित की। महिला जवानों ने मुख्यमंत्री को रक्षा सूत्र भी बांधें। सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक एम.एल. गर्ग, उप महानिरीक्षक योगेन्द्र सिंह राठौड एवं 166 बटालियन के कमाण्डेंट वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने स्मृति चिन्ह भेट कर मुख्यमंत्री का अभिनन्दन किया।

मुख्यमंत्री ने किए मां तनोटराय के दर्शन

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आदि शक्ति मां तनोटराय के दर्शन किए एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने देश व प्रदेश में सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की मंगल कामना की। मुख्यमंत्री ने वहां स्थित शिव मन्दिर के भी दर्शन किए एवं परिसर में स्थित विजय स्तम्भ पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा, जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी, संभागीय आयुक्त बी.एल. मेहरा, पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।